श्रावण शुक्ल - 11 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 35 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 27-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 शरद पवार ने राकांपा में विभाजन होने से इनकार किया

6 कैप्टन हरि राजकुमारः हमेशा आगे बढ़कर लेते जिम्मेदारी, जान की बाजी लगाकर करते नेतृत्व

7 जो 60 साल में नहीं हुआ, मोदी ने आठ साल में कर दिया : अनुराग ठाकुर

फर्स्ट टेक

सरकार ने उसना चावल पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने उसना चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। इस कदम का मकसद पर्याप्त स्थानीय स्टॉक बनाए रखना और घरेलू कीमतों को नियंत्रण में रखना है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि 25 अगस्त को लगाया गया निर्यात शुल्क 16 अक्टूबर, 2023 तक प्रभावी रहेगा। सीमा शुल्क बंदरगाहों में पड़े ऐसे उसना चावल पर शुल्क छूट उपलब्ध होगी, जिन्हें एलईओ (लेट एक्सपोर्ट ऑर्डर) नहीं दिया गया है और जो 25 अगस्त, 2023 से पहले वैध एलसी (लेटर ऑफ क्रेडिट) से समर्थित हैं।

रूस ने यूक्रेन का ड्रोन मार गिराया

मॉस्को/वार्ता/स्पूतनिक। रूस की वायु रक्षा प्रणाली ने शनिवार को बेलगोरोड क्षेत्र में यूक्रेन के एक ड्रोन को मार गिराया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 26 अगस्त को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:15 बजे रूसी संघ के क्षेत्र में सुविधाओं पर यूक्रेन द्वारा ड्रोन से किये जा रहे आतंकवादी हमले के प्रयास को विफल कर दिया गया है। उन्होंने कहा, मानव रहित विमान को बेलगोरोड क्षेत्र में तैनात वायु रक्षा बलों ने नष्ट कर दिया गया।

रूस ने लेजर गन का सफल परीक्षण किया

मॉस्को/वार्ता। रूस ने एक लेजर गन का सफल फील्ड परीक्षण किया और विभिन्न प्रकार के कई ड्रोन नष्ट कर दिए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मानव रहित हवाई वाहनों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किए गए लड़ाकू लेजर का रूस के सैन्य प्रशिक्षण मैदानों में से एक में सफल परीक्षण किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान और क्वाड्रो कॉप्टर दोनों प्रकार के ड्रोन को लेजर के जरिए नष्ट कर दिया गया है।

स्वीडन के प्रधानमंत्री ने धार्मिक ग्रंथों को जलाने पर प्रतिबंध से किया इनकार

स्टॉकहोम/वार्ता/स्पूतनिक। स्वीडन के प्रधान मंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा है कि डेनमार्क की तरह धार्मिक ग्रंथों को जलाने पर प्रतिबंध लगाने की स्वीडन की कोई योजना नहीं है, क्योंकि इसके लिए देश के संविधान में संशोधन की आवश्यकता होगी। डेनमार्क के न्याय मंत्री पीटर हम्मेलगार्ड ने शुक्रवार को कहा कि सरकार का इरादा देश में धार्मिक पुस्तकों को जलाने पर प्रतिबंध लगाने का है। इसके जवाब में डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने कहा कि यह कदम एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत है जिसे डेनमार्क दुनिया को भेजना चाहता था।

27-08-2023 सूर्यास्त 6:23 बजे | 28-08-2023 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
64,886.51	19,265.80
(-365.83)	(-120.90)

सोना	चांदी
6,122 रु.	80,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दोषारोपण

डेमोक्रेसी के चार स्तंभ,
जिनके अपने मजबूत जोन।
जनता के सम्मुख बढ़चढ़ कर।
कह रहे स्वयं को सभी डोन।
पर जब आए दायित्व बोध,
हो जाते हैं ये सभी मौन।
दौरा ए दोषारोपण में,
बोलो है जिम्मेदार कौन।।

केवल वही देश आगे बढ़ेगा जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महारत हासिल कर ली है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंद्रयान-3 की 'सॉफ्ट लैंडिंग' की तारीख 23 अगस्त के दिन को अब राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता से उत्पन्न उत्साह का उपयोग 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए युवाओं के बीच वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए करना होगा।

चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न मनाने और दो देशों की यात्रा से लौटने पर प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा यहां हवाई अड्डे पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और यूनान की यात्रा के दौरान उन्हें चंद्र मिशन की सफलता पर कई बधाई संदेश मिले।

प्रधानमंत्री ने शनिवार सुबह बेंगलूरु में अपने संक्षिप्त दौरे का भी उल्लेख किया, जिस दौरान उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों से मुलाकात की और अंतरिक्ष यान के लैंडिंग बिंदु का नाम शिवशक्ति रखने का निर्णय लिया। उन्होंने यह भी कहा कि जिस स्थान पर चंद्रयान-2 दुर्घटनाग्रस्त होकर चंद्रमा पर उतरा था, उसे तिरंगा नाम दिया गया है। मोदी ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता से उत्पन्न उत्साह का इस्तेमाल युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें नई पीढ़ी को विज्ञान की ओर आकर्षित करना है। 21वीं सदी प्रौद्योगिकी आधारित है और केवल वही देश आगे बढ़ेगा जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महारत हासिल कर ली है।

मोदी ने कहा, अगर हमें 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करना है तो समय की मांग है कि हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मार्ग पर अधिक मजबूती से आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को जीवन में वैज्ञानिक सोच जल्द अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। उन्होंने कहा कि सुशासन, अंतिम छोर तक सेवाओं को पहुंचाना और आम लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, मैंने विभिन्न विभागों को प्रतिक्रिया सेवाएं त्वरित तौर पर और पारदर्शिता एवं पूर्णता के साथ प्रदान करने के लिए अंतरिक्ष विज्ञान, उपग्रहों की शक्ति का उपयोग करने का निर्देश दिया है।

चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल का नाम 'शिवशक्ति' पॉइंट होगा

बेंगलूरु/नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को घोषणा की कि चंद्रमा पर चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल का नाम 'शिवशक्ति' पॉइंट रखा जाएगा और 23 अगस्त का दिन 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। शिखर वार्ता के बाद आज सुबह यूनान की राजधानी एथेंस से सीधे बेंगलूरु पहुंचे मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए और उनसे बातचीत करते हुए यह घोषणा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने 2019 में अपने पदचिह्न छोड़े थे, उसे 'तिरंगा' पॉइंट के नाम से जाना जाएगा।

उन्होंने कहा, टचडाउन के स्थान (लैंडिंग स्थल) का नामकरण करने की एक वैज्ञानिक परंपरा है। भारत ने उस चंद्र क्षेत्र का नाम रखने का निर्णय लिया है जहां हमारा चंद्रयान-3 उतरा है। जिस स्थान पर विक्रम लैंडर उतरा है उसे 'शिवशक्ति' पॉइंट के रूप में जाना जाएगा।

भावुक हुए मोदी ने रुंधे हुए गले से कहा, मैं आपसे मिलने और आपके परिश्रम, समर्पण, साहस, भक्ति और जुनून को सलाम करने के लिए बेसब्र और उत्सुक था। भारत चांद पर है! हमारा राष्ट्रीय गौरव चांद पर है। चंद्रयान-3 की सफलता में महिला वैज्ञानिकों की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, देश की नारी शक्ति ने बड़ी भूमिका निभाई।

चंद्रयान-3 मिशन के

दो उद्देश्य हासिल किए गए, चंद्र सतह पर वैज्ञानिक प्रयोग जारी : इसरो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के तीन में से दो उद्देश्य हासिल कर लिए गए हैं, जबकि तीसरे उद्देश्य के तहत वैज्ञानिक प्रयोग जारी हैं।

इसने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के सभी पेलोड सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।

इसरो ने एक्स (पूर्व में ट्वीटर) पर एक पोस्ट में कहा, चंद्रयान-3 मिशन: मिशन के तीन उद्देश्यों में से, चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग का प्रदर्शन पूरा हो गया है। चंद्रमा पर रोवर के घूमने का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। तीसरे उद्देश्य के तहत वैज्ञानिक प्रयोग जारी हैं। सभी पेलोड सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को घोषणा की चंद्रयान-3 की 'सॉफ्ट लैंडिंग' की तारीख 23 अगस्त के दिन को अब राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाएगा और जिस जगह पर इस यान का लैंडर 'विक्रम' उतरा, उस जगह को अब 'शिवशक्ति' प्वाइंट के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने यह घोषणा भी की कि 2019 में चंद्रयान-2 ने जिस जगह पर अपने पदचिह्न छोड़े थे, चंद्रमा की उस जगह को अब 'तिरंगा' प्वाइंट के रूप में जाना जाएगा।

आयकर विभाग की वेबसाइट नए रंगरूप में पेश

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने शनिवार को उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस, बेहतर सुविधाओं और नए मॉड्यूल के साथ एक नए रंगरूप में अपनी वेबसाइट पेश की। नई वेबसाइट को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने उदयपुर में आयकर निदेशालय (सिस्टम) द्वारा आयोजित 'चिंतन शिविर' में पेश किया। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा, करदाताओं के अनुभव को बेहतर करने और नई तकनीक के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए आयकर विभाग ने अपनी राष्ट्रीय वेबसाइट को उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस, बेहतर सुविधाओं और नए मॉड्यूल के साथ नया रूप दिया है।

ट्रेन डिब्बे में आग लगने से नौ तीर्थयात्रियों की मौत

दुर्घटना का कारण गैस सिलेंडर को बताया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के मदुरै रेलवे स्टेशन पर खड़े रेलयात्री कोच में शनिवार तड़के आग लग गई जिसमें रामेश्वरम जाने वाले कम से कम नौ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। दक्षिण रेलवे ने यह जानकारी दी। दक्षिण रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि यात्री कोच में 'अवैध रूप' से लाए गए गैस सिलेंडर की वजह से आग लगी।

जिस डिब्बे में आग लगी, वह एक 'निजी पार्टी कोच' (किसी व्यक्ति द्वारा बुक किया गया पूरा डिब्बा) था। इसमें सवार यात्री पिछले सप्ताह लखनऊ से तीर्थयात्रा पर निकले थे और अधिकतर यात्री उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और उसके आसपास के इलाकों के निवासी थे।

घटना पर शोक व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि उन्हें तमिलनाडु में मदुरै जंक्शन के पास एक खड़ी ट्रेन में आग लगने की दुर्घटना में लोगों की मौत की खबर से गहरा दुख हुआ है।

नौ मृतकों में से छह की पहचान हो गई है जिनमें तीन-तीन शव पुरुष और महिलाओं के हैं।

हादसे के पीड़ितों में से एक ने बताया कि डिब्बे का दरवाजा बंद था और उसे तोड़ने के बाद लोग सुरक्षित स्थान पर पहुंचे और एक बड़ा हादसा टला।

घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंची मदुरै की जिलाधिकारी एमएस संगीता ने कहा कि रेलकोच में लगी आग में नौ लोगों की मौत हुई है जबकि 20 अन्य घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने मौतों पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना पर दुख प्रकट किया और मौतों पर शोक जताया। तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश सरकार और रेलवे ने पीड़ितों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

भावी पीढ़ियों को भारत की सफलता की याद दिलाएगा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के तौर पर मनाने के लिए की गई घोषणा आने वाली पीढ़ियों को चंद्र मिशन में भारत की सफलता की याद दिलाएगी और वैज्ञानिकों को नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

शाह ने कहा कि एक सच्चा नेता हर परिस्थिति में अपने लोगों के साथ खड़ा रहता है, और यह तब परिलक्षित हुआ जब प्रधानमंत्री चंद्रयान-3 मिशन में शामिल इसरो के वैज्ञानिकों से मिलने के लिए आज सुबह यूनान से सीधे बेंगलूरु पहुंचे।

शाह ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री का बेंगलूरु में वैज्ञानिकों को दिया गया प्रेरक संबोधन भारत की शानदार उपलब्धि का सम्मान है। उन्होंने कहा कि 23 अगस्त भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि यह उसके चंद्रयान-3 अभियान की उपलब्धि का प्रतीक है।

शाह ने कहा, आज, प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के तौर पर मनाने की घोषणा की, ताकि इस मिशन के पीछे रहे भारत के वैज्ञानिकों की सफलता की कहानी हर आने वाली पीढ़ी तक पहुंच सके। उन्होंने कहा, यह निर्णय भारतीय वैज्ञानिकों को 'तिरंगे' के गौरव को बरकरार रखते हुए अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

भारत का बड़ा नुकसान कराया तीन पहलवानों ने : बृजभूषण सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंडा (उप्र)/भाषा। कैसरगंज से भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू से डब्ल्यूएफआई की सदस्यता रद्द होने के लिए तीन पहलवानों बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक को जिम्मेदार ठहराया।

बृजभूषण ने शनिवार को एक निजी कालेज में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि सदस्यता रद्द होने के लिए ये प्रदर्शन करने वाले पहलवान जिम्मेदार हैं, जिन्होंने कुश्ती और देश के पहलवानों के साथ मजाक किया है। उन्होंने कहा, आज बहुत दुखद स्थिति है कि चुनाव न हो पाने के लिए भारत पहली बार यूडब्ल्यूडब्ल्यू (यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग) से प्रतिबंधित हुआ है। यदि इस समस्या का शीघ्र समाधान न हुआ तो भारत को बड़ा नुकसान होगा। एशियाई खेलों, ओलंपिक खेलों और विश्व चैम्पियनशिप में भारत के ध्वज तले कोई भी पहलवान कुश्ती नहीं लड़ सकेगा। बृजभूषण ने कहा कि डब्लूएफआई का अध्यक्ष कौन होगा, यह कुश्ती महासंघ तय करेगा, न कि कोई खिलाड़ी। उन्होंने कहा, हरियाणा में आज मतदान करवा लीजिए, फिर देखिए कौन किसका समर्थन करता है? मैंने जनवरी में चुनाव कराने की कोशिश की थी। लेकिन, आपको पता है कि मेरे ऊपर क्या-क्या आरोप लगाए गए? इसके बाद सरकार ने मुझसे कुछ दिन तक कुश्ती से दूर रहने को कहा।

प्रिगोझिन की मौत के बाद अनिश्चितता का सामना कर रहे वैग्नर सैनिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/एप। निजी सैन्य संगठन 'वैग्नर समूह' की उपस्थिति सीरिया की प्राचीन युद्ध भूमि से लेकर उपसहारा अफ्रीकी क्षेत्र तक विस्तृत है जो निजी सैनिकों के साथ क्रेमलिन के वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है, लेकिन एक निजी विमान दुर्घटना में 'वैग्नर' प्रमुख की कथित मौत के बाद इस बात की चर्चा है कि इसके सैनिक अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

वैग्नर पर क्रूर बलों का इस्तेमाल करने और जब्त की गई खनिज संपदा से मुनाफा कमाने का आरोप है।

अब तक वैग्नर समूह येवगेनी प्रिगोझिन के अधीन रहा। इस हफ्ते की शुरुआत में जारी किए गए एक वीडियो में प्रिगोझिन किसी अज्ञात सूखे और धूल भरे मैदान में एक असॉल्ट राइफल के साथ सैन्य वर्दी में दिख रहे हैं। यह उनका आखिरी वीडियो भी हो सकता है।

इस वीडियो में उन्होंने दावा किया कि वैग्नर रूस को सभी महाद्वीपों पर और भी महान बना रहा है और अफ्रीका को और भी अधिक स्वतंत्र बना रहा है।

निजी सैनिक उपलब्ध कराने वाले वैग्नर समूह के प्रमुख प्रिगोझिन और उनके शीर्ष सहयोगियों को लेकर जा रहा एक निजी जेट मॉस्को के उत्तर पश्चिम में बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सत्ता को चुनौती देने वाले सशस्त्र विद्रोह का प्रिगोझिन के नेतृत्व करने के दो महीने बाद यह घटना घटी।

बड़े पैमाने पर ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि प्रिगोझिन (कथित तौर पर मर चुके) को उसके विद्रोह के लिए निशाना बनाया गया था। हालांकि, क्रेमलिन ने इसमें शामिल होने से इनकार किया है।

रिश्ता कच्चे धागे का

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल द्वारा संचालित श्री शांतिनाथ हिंदी हाईस्कूल क इंट्रेक्ट क्लब के सदस्यों ने सरहद पर तैनात सैनिकों के लिए राखियां भेजी और अपने देशप्रेम को प्रकट किया। इस मौके पर हुब्बल्ली रोटरी मिड टाउन के प्रवीण भन्साली और जयंतिलाल जैन ने रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दी। स्कूल के प्रधानाध्यापक विलास पुदाल तथा इंट्रेक्ट क्लब व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सहज स्मृति योग

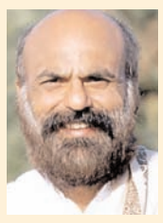

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, हमारे जीवन का सार क्या है ? क्या उससे सामान्य से सामान्य जन और महानतम वैज्ञानिक, परम आध्यात्मिक रहस्यदर्शी, सभी धर्म, रिलीजन, मज़हब, पंथ, संप्रदाय, नास्तिकवाद और शास्त्र सभी निरपवाद रूप से सहमत हैं ?

उत्तर: 'हमारे जीवन' का सार तो तभी बताया जा सकता है जब आपकी 'हम' की परिधि में मैं आता होऊँ अन्यथा, मेरी तो बात ही क्या कहूँ, भले ही साक्षात संतोष और समाधान ही क्यों न प्रत्यक्ष प्रकट होकर आपके हितार्थ सब परिभाषित करता हो, तो भी संतोष और समाधान नहीं होगा।

हाँ, मनुष्य-जीवन का सार तो बताया जा सकता है और उस सार से जो भी आपने समूह गिनाए वे सभी सहमत भी होंगे, क्योंकि वे सभी मनुष्य समूह से संबंधित हैं और विवेकशील मनुष्य के जीवन का सार बस इतना है कि जीवन पर्यंत हर साँस से वह वही करे और होने दे जो उसे करना चाहिए। 'हम' शब्द का प्रयोग सावधान होकर करना चाहिए। प्रसंग, संदर्भ और उदाहरण स्पष्ट करना आवश्यक है। अन्यथा, सत्य विवरण भी असत्य हो जाता है जिससे दुतरफ़ा भ्रम बना रहता है। तत्वतः यदि कोई तत्वज्ञ होगा तो उसे सदैव ध्यान रहेगा कि ध्यान या प्रार्थना करने की अवधि को छोड़कर उसे 'हम' कहने का अधिकार ही कहां है ? भले ही वह सर्वव्यापी परमात्मा ही क्यों न हो, स्वयं विचार कीजिए। प्रश्न मेरे और तुम्हारे की अवस्था तक ही होते हैं हमारा कोई प्रश्न तत्वतः होता ही नहीं है।

नायडू ने रियल एस्टेट क्षेत्र से कहा, प्रकृति को ध्यान में रखकर बनाएं परियोजनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने शनिवार को रियल एस्टेट क्षेत्र और बुनियादी ढांचा विकासकर्ताओं से प्रकृति को ध्यान में रखते हुए परियोजनाओं को पूरा करने को कहा। उन्होंने राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नारेडको) की 25वीं वर्षगांठ पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र को देश के परियोजना-निर्माण प्रयासों के दौरान अतिक्रमण के खिलाफ सतर्क रहते हुए सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसी परियोजनाओं के दौरान प्रकृति के साथ छेड़छाड़ के विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने हैप्पी हाउसिंग फॉर ऑल का नारा भी दिया।

नायडू ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा विकासकर्ताओं से आग्रह किया कि आवास ऐसे बनाए जाएं जिनमें पर्याप्त हवा, सूरज की रोशनी और पानी उपलब्ध हो। उन्होंने जोर दिया कि इससे लोग इन आवास इकाइयों में बिना किसी शिकायत के रह सकेंगे और अपना समय खुशी से बिता सकेंगे। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा क्षेत्र देश के विकास के लिए इतने महत्वपूर्ण हैं कि इन्हें खुशहाल, किफायती और स्वस्थ आवास के आधार पर बनाना चाहिए। इन मूलभूत आवास आवश्यकताओं को पूरा किए बिना रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे के विस्तार का मकसद पूरा नहीं होगा।

'मंत्रों का राजा है मंत्राधिराज नवकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने नवकार महामंत्र जाप 68 तीर्थ भावयात्रा के अंतर्गत कहा कि मंत्रों का राजा है मंत्राधिराज नवकार। पंचमंगल महाश्रुत स्कंध रूप यह मंत्र गुणों का प्रकटीकरण करता है। इसमें गुण एवं गुणी का स्वरूप दिग्दर्शित है। इस मंत्र में व्यक्ति विशेष नहीं किन्तु गुण परिपूर्ण आत्माओं की स्तुति है, वन्दना है। यह अनादि निधान सम्पूर्ण मंत्र है। इसमें अनन्तगुण सम्पन्न अरिहंत भगवंत, सर्वथा बन्धन मुक्त, पुनरागमन रहित सिद्ध भगवंत, आचार मार्ग के पालक एवं उपदेशक आचार्य भगवंत, ज्ञान से परिपूर्ण एवं चतुर्विध संघ में सम्यग् ज्ञान संवर्द्धक उपाध्याय एवं सुविशुद्ध साधना मार्ग में उद्यमवन्त साधु भगवंतों को वन्दना, नमस्कार है। अतीत, वर्तमान एवं भविष्य काल में हुए है, और होंगे उन अनंत- अनन्त परमेष्ठियों का स्मरण वन्दन है।

साध्वी शीतल गुणा श्री जी ने कहा कि भाव प्रभाव एवं स्वभाव से परिपूर्ण है। यह नवकार अरिहंत के ध्यान से मान समाप्त होता है। मान समाप्ति के बाद ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। मान एवं ज्ञान दोनों साथ नहीं रहते। सिद्ध ध्यान से क्रोध की समाप्ति एवं उपशम भाव की संप्राप्ति होती है, आचार्य के ध्यान से माया से मुक्ति मिलती है और सरलता से संयुक्ति होती है। उपाध्याय के ध्यान, स्मरण से लोभ से निवृत्ति एवं सन्तोष प्राप्ति की प्रवृत्ति होती है। साधु-मुनि के ध्यान स्मरण से वासना से विरक्ति एवं उपासना में अनुरक्ति होती है।

नवकार अपने आप में मंत्र, तंत्र एवं यंत्र की विशिष्ठ शक्ति का पुंज है। मांगीलाल वेदमुथा ने बताया कि एकासणा लाभार्थी भंवरलाल कटारिया का सम्मान किया गया। नवकार आरती का लाभ किरणबेन तेजराज ने लिया। गुरुदेव आरती का लाभ वसंत मेसर्स परिवार ने लिया।

'संस्कार के गुणों का जहां प्रकाश नहीं, वहां अंधकार रहेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी की निश्रा में प्रीतिसुधाश्रीजी ने धर्म बिंदु ग्रंथ और अमरकुमार, सुरसुंदरी चरित्र का वाचन करते हुए कहा कि हमें भोजन परिवार के साथ में मिलकर करना चाहिए। अगर रोज की शक्यता न हो तो भी सप्ताह में एक दो बार तो अवश्य ही साथ में बैठकर भोजन करना चाहिए। एक साथ भोजन करने से एक दूसरे के सुख दुख की बात हो सकती है, एक दूसरे से विचार विमर्श कर सकते है, ऐसे परिवार की बेटी दूसरे घर को भी स्वर्ग बना देती है। पुत्र चार प्रकार के हैं एक अतिजात पुत्र जो पिता से भी ज्यादा गुणवान है जैसे लताओं के बीच में बेल फल का लगना, दूसरा सुजात पुत्र जो गुण में पिता के समान है वह आम वृक्ष की भांति है जो छाया और फल दोनों देवें, तीसरा कुजात पुत्र वट वृक्ष की तरह छाया दे सकता है पर फल नहीं और जो पिता से गुण में हीन है, और चौथा है कुलांगार पुत्र जो अपने कुल का नाश करने वाला है जैसे कि इक्षु जो जड़ से निकलने के बाद आता है। साध्वीश्री ने कहा कि जो गलती करके माफी मांगे वह इंसान, जो गलती करके माफी नहीं मांगे वह शैतान, लेकिन जो गलती ना करके भी माफी मांगे वह होता है पति। अपने पति को धर्म मार्ग पर ले जाए वह होती है धर्मपत्नी।

विवाह के समय पिता से अच्छी सीख मिले तो खानदानी लड़की समन्वय की भावना के साथ दोनों कुल की लाज रखेगी और घर की बात बाहर नहीं जाने देगी। उचित विवाह होने से परिवार पुत्र सगे संबंधी सब अच्छे रहेंगे। संस्कार के गुणों का जहां प्रकाश नहीं वहां अंधकार रहेगा।

शिवराज ने विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले मंत्रिपरिषद का विस्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले शनिवार को भाजपा के तीन विधायकों को मंत्री के रूप में शामिल करके अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। मंत्रिमंडल के विस्तार के साथ भाजपा ने तीन महीने से भी कम समय में होने वाले चुनावों से पहले मध्य प्रदेश में जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को साधने की कोशिश की है।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने सुबह करीब नौ बजे यहां राज भवन में तीन विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। पूर्व मंत्री, ब्राह्मण नेता और विंध्य क्षेत्र के रीवा से चार बार के विधायक राजेंद्र शुक्ला, महाकौशल क्षेत्र के बालाघाट से सात बार के विधायक एवं मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन और बुंदेलखंड क्षेत्र के टीकमगढ़ जिले के खरगापुर से विधायक राहुल लोधी ने मंत्री पद की शपथ ली। लोधी पहली बार विधायक बने हैं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद एक अन्य कार्यक्रम से इतर मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव से लगभग 75 दिन पहले मंत्रिमंडल विस्तार के सवाल पर पत्रकारों से कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद भी प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने वाली है। इसके साथ ही शिवराज के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में अब कुल 34 सदस्य हो गए हैं।

नवकार महामंत्र के 11 करोड़ जाप के लिए रजिस्ट्रेशन प्रारंभ

जेवाईएस के तत्वावधान में विभिन्न 46 चातुर्मास स्थलों पर होंगे जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन के तत्वावधान में शहर में विराजित विभिन्न साधु साध्वियों की निश्रा में आत्मशुद्धि, विश्वशांति व सर्व कल्याण के लिए नवकार महामंत्र का 11 करोड़ का जाप 'नवकार मंत्र करे भव' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह अनुष्ठान 31 अगस्त राखी त्योहार से प्रारंभ होगा तथा 10 नवंबर को धनतेरस पर सम्पन्न होगा। रविवार से सभी चातुर्मासिक स्थलों पर स्थानीय संघ व जैन युवा संगठन के प्रतिनिधियों द्वारा नवकार करे भवपार 11 करोड़ नवकार मंत्र जप की साधना हेतु रजिस्ट्रेशन प्रारंभ किया जा रहा है। जैन समन्वय समिति व इस कार्यक्रम के चेयरमैन दिलीप संचेती ने बताया की संगठन के सदस्यों को सभी स्थलों की जानकारी बैनर, कार्ड आदि सामग्री रजिस्ट्रेशन हेतु उपलब्ध करवा दी गई है। संगठन अध्यक्ष महेंद्र बाग़रेचा व सम्पूर्ण प्रबंध मंडल यह आयोजन की सफलता के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है ।

बीपी सीईओ लूनी ने कहा, भविष्य भारत का है

नई दिल्ली/भाषा। ब्रिटेन की प्रमुख ऊर्जा कंपनी बीपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बर्नार्ड लूनी ने शनिवार को कहा कि भविष्य भारत का है। साथ ही उन्होंने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला देश बनने पर भारत की तारीफ की।

लूनी ने सीआईआई द्वारा आयोजित 'बी20 समिट इंडिया' के मौके पर पत्रकारों से कहा कि भारत 'अविश्वसनीय कदम उठा रहा है और चीजों को बेहद नए और रचनात्मक तरीके से कर रहा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि दुनिया में सभी इस देश को लेकर उत्साहित है। भविष्य भारत का है। बीपी ने बंगाल की खाड़ी में एक तेल और गैस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश किया है और तेजी से ईंधन खुदरा नेटवर्क का विस्तार कर रही है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के चार्जिंग स्टेशन भी शामिल हैं। ये दोनों उद्यम रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ गठबंधन में हैं। देश में मौजूद निवेश अवसरों के बारे में उन्होंने कहा, भारत हमारे लिए बेहद रोमांचक है। इससे पहले कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि तेल और गैस की मांग आने वाले कई दशकों तक बनी रहेगी। उन्होंने साथ ही भारत के विचारों को दोहराते हुए कहा कि ऊर्जा रूपांतरण उचित और व्यवस्थित होना चाहिए।

पूर्व की एमवीए सरकार ने फडणवीस को जेल भेजने की योजना बनाई थी : शिंदे

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को दावा किया कि पूर्व की महा विकास आघाड़ी सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ झूठे आरोप लगाने और उन्हें अन्य के साथ जेल भेजने की योजना बनाई थी। शिंदे मुंबई की एक अदालत द्वारा कथित फोन टैपिंग मामले में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किए जाने के संबंध में पत्रकारों के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। यह मामला तत्कालीन महा विकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल के दौरान का है। यह मामला महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की ओर से मार्च 2021 को संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने से जुड़ा है। फडणवीस उस वक्त विधानसभा में विपक्ष के नेता थे।

जी20 सम्मेलन की मेजबानी के कारण दिल्लीवासियों को असुविधा हो सकती है, लेकिन इसे सफल बनाना है: मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्लीवासियों से शनिवार को अपील की कि अगले महीने यहां जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के कारण कई देशों के नेताओं की मौजूदगी के कारण हो सकने वाली असुविधा के बावजूद वे इस आयोजन को सफल बनाने में मदद करें। शिखर सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी में नौ और 10 सितंबर को किया जाएगा। इसमें यूरोपीय संघ और आमंत्रित अतिथि देशों के 30 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष एवं शीर्ष अधिकारियों और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के भाग लेने की संभावना है।

मोदी दो देशों की यात्रा के बाद शनिवार को दिल्ली लौटे, जहां हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए पहुंची लोगों की भीड़ को उन्होंने संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने जी20 शिखर सम्मेलन के प्रबंध के कारण लोगों को हो सकने वाली असुविधा के लिए उनसे पहले से ही माफी मांगी। मोदी दक्षिण अफ्रीका और यूनान की यात्रा के बाद सीधे बेंगलूरु पहुंचे थे, जहां उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा, पूरा देश जी20 शिखर सम्मेलन का मेजबान है, लेकिन मेहमान दिल्ली में आ रहे हैं। दिल्लीवासियों पर इस जी20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने की विशेष जिम्मेदारी है। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि देश की प्रतिष्ठा पर तनिक भी आंच न आए।

इंडियन फेडरेशन ऑफ गारमेन्ट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी समिति गठित

बेंगलूरु के अनुराग सिंघला बने फेडरेशन के महामंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंडियन फेडरेशन ऑफ गारमेन्ट एसोसिएशन की वर्ष 2023-25 की नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ तथा सभी पदाधिकारियों ने शपथ ली। कोलकाता के आलोक मोरे अध्यक्ष पद की तथा बेंगलूरु के अनुराग सिंघला को महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अहमदाबाद के विजय पुरोहित वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गोहाटी के शेखर अग्रवाल उपाध्यक्ष (पूर्व), नागपुर के जीवनलाल जैन उपाध्यक्ष (पश्चिम), भरत सारड़ा को उपाध्यक्ष (दक्षिण) बनाया गया है। रांची के रविकुमार को मंत्री (पूर्व), सोलापुर के नीलेश शाह को मंत्री (पश्चिम), विजयवाड़ा के हरिशचन्द्र को मंत्री (दक्षिण) तथा हैदराबाद के पवन बंसल को कोषाध्यक्ष मनाया गया है। विभिन्न एसोसिएशन के अध्यक्ष फेडरेशन की कार्यकारिणी के सदस्य होंगे तथा प्रति वर्ष फेडरेशन की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया जाएगा। विभिन्न एसोसिएशन को अपने चार सदस्यों को फेडरेशन में नामाकिंत करना होगा जिन्हें विभिन्न कार्यकारी समिति की जिम्मेदारी सौंपी जाएंगी। यह जानकारी महामंत्री अनुराग सिंघला ने दी।

आलोक मोरे

अनुराग सिंघला

पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगाने की धमकी दे रहे हैं राज्यपाल : मुख्यमंत्री भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को आरोप लगाया कि राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की धमकी दे रहे हैं, जबकि मणिपुर और हरियाणा में उनके समकक्ष वहां कानून व्यवस्था की स्थिति पर चुप्पी साधे हुए हैं। राज्यपाल ने शुक्रवार को मान सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर उनके पत्रों का जवाब नहीं दिया गया तो वह राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकते हैं और आपराधिक कार्यवाही भी शुरू कर सकते हैं।

पंजाब के राज्यपाल पुरोहित ने मान पर उनके प्राधिकार की अवहेलना करते हुए उन्हें भेजे गए पत्रों का जवाब नहीं देने का आरोप लगाते रहे हैं, जबकि मान ने दावा किया कि उन्होंने उन्हें प्राप्त सात संदेशों को छोड़कर बाकी सभी का जवाब दे दिया है। मान ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, राज्यपाल ने पंजाब के शांतिप्रिय लोगों को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की धमकी दी है। राज्यपाल ने कहा कि मैं अनुच्छेद 356 लगाने की सिफारिश करूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल ने उन्हें 16 पत्र लिखे हैं जिनमें से उन्होंने नौ का जवाब दे दिया है। उन्होंने कहा, राज्यपाल को पत्र लिखने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए और तत्काल जवाब की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

बघेल का दावा, छत्तीसगढ़ के 15 लाख परिवारों के पास नहीं है शौचालय, मोदी को पत्र लिख की जांच की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर यह दावा किय है कि रमण सिंह नीत पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा राज्य को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित किए जाने के बावजूद प्रदेश में 15 लाख से अधिक परिवारों के पास शौचालय नहीं हैं। जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि बघेल ने अपनी चिट्ठी में इसकी जांच कराने की भी मांग की है।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस संबंध में चिंता जताई है और वंचित परिवारों को यह लाभ मुहैया कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि बघेल ने शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन राशि 12 हजार रुपए प्रति परिवार से बढ़ाकर 30 हजार रुपए करने का भी अनुरोध किया है। उन्होंने नक्सल प्रभावित तथा दुर्गम क्षेत्रों में ऐसे शौचालयों का निर्माण ग्राम पंचायतों के माध्यम से स्वीकृत करने का अनुरोध किया है।

अधिकारियों ने बताया, मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के तत्वावधान में कराए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण छह (2019-21) में यह पाया गया है कि छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों में 88.2 प्रतिशत परिवार और ग्रामीण क्षेत्रों के 73.5 प्रतिशत परिवार शौचालय सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इस तरह राज्य के कुल परिवारों में से 76.8 प्रतिशत परिवार शौचालय सुविधा का उपयोग कर रहे हैं जबकि 23.2 प्रतिशत परिवार इससे वंचित हैं।

मुख्यमंत्री ने लिखा है, पिछले महीने राज्य सरकार द्वारा कराए गए सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के दौरान शौचालयों के जमीनी स्तर पर सत्यापन से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-पांच के आंकड़ों की पुष्टि होती है।

जिलों की विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर योजनाएं बनाएं जिलाधिकारी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपट्टिनम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने समग्र विकास के महत्व पर जोर देते हुए शनिवार को जिलाधिकारियों से अपने जिलों की विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर योजनाएं बनाने का आग्रह किया। स्टालिन ने कहा कि जिलों का विकास केवल कृषि पर निर्भर न होकर औद्योगिक विकास एवं अन्य क्षेत्रों पर भी आधारित होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विकास कार्यक्रमों को लागू करने की गति की समीक्षा करने की योजना 'काला अइविल मुथलमाइचर' के मूल्यांकन के अवसर पर जिलाधिकारियों से कहा, जिलाधिकारी के रूप में आपको इस संबंध में सरकारी योजनाओं को लागू करना चाहिए। साथ ही, अपने जिलों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखें और उचित कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य सरकार के समक्ष रखें।

उन्होंने नागपट्टिनम, तिरुवरुर, तंजावुर और मयिलादुथुराई जिलों के अधिकारियों को पट्टा हस्तांतरण, पट्टा के अनुरोधों का समाधान करने और बच्चों के लिए सरकार के पोषण कार्यक्रम को लागू करने पर ध्यान देने की भी सलाह दी।

स्टालिन ने कहा, 'इसके अलावा, उन क्षेत्रों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें जहां खेती में गिरावट देखी गई है। उपज का बाजार मूल्य सुनिश्चित करने के लिए भी कदम उठाए जाने चाहिए।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारियों को महिला स्व-सहायता समूहों को ऋण देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि आर्थिक विकास और सरकारी योजनाओं के अलावा बैंक ऋण प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत से पहले सभी लंबित सड़क कार्यों में तेजी लाएं ताकि लोगों की परेशानियां कम हो।

स्टालिन ने जिलाधिकारियों से कहा, 'मुझे आशा है कि आप समीक्षा बैठक में चर्चा के अनुसार सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने में सक्षम होंगे।'

करूर वैश्य बैंक ने शाखा नेटवर्क को मजबूत किया

बैंक ने कहा कि नयी शाखाओं के उद्घाटन के साथ कुल शाखा नेटवर्क बढ़कर हो गया है 822

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने अपनी पहुंच को मजबूत करते हुए दक्षिणी क्षेत्र में 10 नयी शाखाओं का उद्घाटन किया है। तमिलनाडु स्थित बैंक ने शनिवार को यह जानकारी दी। बैंक ने तमिलनाडु में छह, आंध्र प्रदेश में दो और तेलंगाना तथा कर्नाटक में एक-एक नयी शाखाओं का उद्घाटन किया है। बैंक ने एक बयान में कहा कि नयी शाखाओं के उद्घाटन के साथ कुल शाखा नेटवर्क बढ़कर 822 हो गया है। केवीबी के प्रबंध निदेशक और सीईओ बी रमेश बाबू ने कहा, 'बैंक अपने विस्तार के लिए नयी शाखाएं खोल रहा है। चालू वित्त वर्ष के दौरान अभी तक हमने 23 शाखाओं का उद्घाटन किया है।'

चंद्रयान-3 : तीनों मिशन के उद्देश्य हासिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार शाम को कहा कि तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 ने तीनों मिशन के उद्देश्य हासिल कर लिए। इसरो ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा,तीनों मिशन उद्देश्यों में से, चंद्रमा की सतह पर एक सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग का प्रदर्शन पूरा हो गया है। इसमें कहा गया, साथ ही चंद्रमा पर रोवर के घूमने का प्रदर्शन पूरा हो गया है।

इसरो ने कहा, इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोगों का संचालन भूमिगत है। सभी पेलोड सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। इस बीच, इसरो ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में चंद्र रहस्यों की खोज में 'शिव शक्ति बिंदु' के आसपास घूमते रोवर का एक वीडियो भी जारी किया। इसमें कहा गया,प्रज्ञान रोवर दक्षिणी ध्रुव पर चंद्र रहस्यों की खोज में (चंद्रमा की तस्वीर के साथ) शिव शक्ति प्वाइंट के आसपास घूम रहा है!

चंद्रयान-3 पर ले जाए गए लैंडर मॉड्यूल (एलएम) द्वारा तैनात रोवर ने सफलतापूर्वक आठ मीटर की दूरी तय की है। इसरो ने कहा कि सभी नियोजित रोवर गतिविधियों को सत्यापित किया गया और प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम), एलएम और रोवर के सभी पेलोड प्रदर्शन कर रहे थे। सभी नियोजित रोवर गतिविधियों को सत्यापित कर लिया गया है और रोवर ने लगभग आठ मीटर की दूरी को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। इसमें कहा गया है कि रोवर पेलोड एलआईबीएस और एपीएक्सएस चालू हैं और पीएम, एलएम और रोवर पर सभी पेलोड नाममात्र का प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसरो ने यह भी कहा कि दो खंडों वाले रैंप ने रोवर के रोल-डाउन की सुविधा प्रदान की और एक सौर पैनल ने रोवर को बिजली उत्पन्न करने में सक्षम बनाया जबकि रोल डाउन से पहले रैंप और सौर पैनल की तेजी से तैनाती कैसे हुई, इस पर एक वीडियो भी जारी किया। सीएच-3 मिशन में कुल 26 तैनाती तंत्र, यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी)/इसरो, बेंगलूरु में विकसित किए गए थे। एलएम ने बुधवार को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर एक सफल सॉफ्ट लैंडिंग की, जिससे भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला देश बन गया और लैंडिंग के कारण धूल उड़ने के बाद कुछ घंटों बाद रोवर को वहां तैनात किया गया। इसरो ने कहा,सीएच-3 रोवर लैंडर से नीचे उतरा और भारत ने चंद्रमा पर सैर की!

मदुरै रेलवे स्टेशन पर आग लगने की घटना की रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा वैधानिक जांच आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिणी सर्कल के रेलवे सुरक्षा आयुक्त एएम चौधरी मदुरै रेलवे स्टेशन यार्ड में आईआरसीटीसी टूरिस्ट कोच (एनई रेलवे-एनई-सीए 113210) में आग लगने की घटना की वैधानिक जांच करेंगे।

वह मदुरै रेलवे स्टेशन यार्ड में पूछताछ के लिए मदुरै मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में डीआरएम के कान्फ्रेंस हॉल में रविवार को सुबह 9.30 बजे जांच शुरु करेंगे।

जनता का कोई भी सदस्य घटना और उससे जुड़े मामले के बारे में जानकारी रखता है और साक्ष्य देना चाहता है तो वह 27 अगस्त को डीआरएम के कॉन्फ्रेंस

हॉल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर, मदुरै में ऐसा कर सकता है या रेलवे सुरक्षा आयुक्त दक्षिणी सर्कल, दूसरी मंजिल, रेल संरक्षण भवन, बेंगलूरु-560 023 में पत्र लिखकर बता सकता है।

रेलवे ने की यात्रियों से ट्रेन में ज्वलनशील, विस्फोटक वस्तुएं न ले जाने की अपील

चेन्नई। तमिलनाडु में दक्षिण रेलवे ने शनिवार को यात्रियों से ट्रेन में कोई भी ज्वलनशील या विस्फोटक पदार्थ अपने साथ सामान नहीं ले जाने की अपील की और कहा कि इसका उल्लंघन करना रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। रेलवे ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि 'ज्वलनशील वस्तुएं और विस्फोटक ले जाना रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें गैस सिलेंडर, पटाखे, एसिड, केरोसिन, पेट्रोल, थर्मिक वेल्डिंग, स्टोव आदि जैसे ज्वलनशील सामान और विस्फोटक ले जाना वर्जित है और यह रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है।' विज्ञप्ति में कहा, रेलवे मैनुअल के पैरा 9 के तहत निजी पर्यटकों के दल को एक लिखित घोषणा देनी चाहिए कि वे यात्रा के दौरान कोई भी ज्वलनशील पदार्थ नहीं ले जाएंगे।

मदुरै यार्ड में एक निजी पर्यटकों के दल के डिब्बे में आज हुए अग्निकांड में पर्यटकों ने भी इस आशय की भी घोषणा की थी। इसके बावजूद वह अवैध रूप से गैस सिलेंडर, स्टोव और अन्य ज्वलनशील वस्तुएं ले गए, जिसके कारण यह भीषण अग्निकांड हुआ। विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण रेलवे रेल यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के दौरान कोई भी ज्वलनशील या विस्फोटक पदार्थ न ले जाएं।

वकील के रूप में हमें अन्याय के खिलाफ खड़ा होना चाहिए : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा, वकील के रूप में हमें भेदभाव और अन्याय के खिलाफ खड़ा होना सुनिश्चित करना चाहिए। बेंगलूरु में प्रतिष्ठित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया (एनएसआईएलयू) यूनिवर्सिटी के 31वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें बताया गया था कि एक युवा कानून छात्र जो एक कानून कार्यालय में इंटर्नशिप करने गया था, उससे पूछा गया कि उसकी जाति क्या है, और जब उसने बताया तो उससे वापस नहीं आने के लिए कहा गया।

उन्होंने कहा, इसने मुझे निराशा से भर दिया। वकील के रूप में, हमें भेदभाव और अन्याय के खिलाफ खड़ा होना सुनिश्चित करना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि संवैधानिक मूल्यों का पालन किया जाए और इससे पता चलता है कि कुछ वकील संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखना तो दूर कानून का उल्लंघन कर रहे हैं। सीजेआई ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय वर्तमान में मौलिक संवैधानिक मुद्दों में लगा हुआ है। हमने लैंगिक रूढ़िवादिता पर एक पुस्तिका जारी की है। नये स्नातक होने वाले परिवर्तन को आगे बढ़ाएंगे। हमारे लिए यह सीखने की प्रक्रिया है। बहुत कुछ करने की जरूरत है। भारत की पहली महिला वकील कॉर्नेलिया सोराबजी को तब तक अदालत में दलील पेश करने की अनुमति नहीं थी जब तक कि उनके साथ कोई पुरुष वकील न हो। ये कहानियाँ वे नहीं हैं जिन्हें हम इतिहास की किताबों में छोड़ सकते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने बताया, पिछले साल पांच में से चार लॉ क्लर्क महिलाएं थीं। उनके लिए यह आम बात है कि वे मुझे फोन करती हैं और कहती हैं कि सर, मुझे मासिक धर्म में ऐंठन होती है। मैं उनसे कहता हूं कि कृपया घर से काम करें और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। हमने आपको सुप्रीम कोर्ट में महिला शौचालयों में सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर के बारे में भी बताया। उन्होंने रेखांकित किया, अगर अच्छा इंसान और अच्छा वकील बनना किसी मोड़ पर आता है तो मैं आपसे एक अच्छा इंसान बनने का आग्रह करता हूं। वकालत का पेशा धीरे-धीरे अधिक से अधिक महिला वकीलों के प्रवेश के लिए एक प्रारंभिक बिंदु बनता जा रहा है। सीजेआई ने जोर देकर कहा, उस सीढ़ी को कभी लात मत मारो जो तुम्हें जीवन की इस यात्रा में ऊपर ले गई।

चंद्रयान-3 के बाद इसरो की नजरें अब दो सितंबर को 'आदित्य-एल1' का प्रक्षेपण करने पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

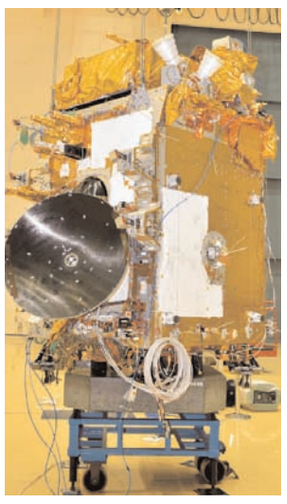

बेंगलूरु। चंद्रयान-3 अभियान के सफल रहने के बाद, सूर्य का अध्ययन करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अब एक हफ्ते के अंदर 'आदित्य-एल1' सौर मिशन भेजने की तैयारियों में जुट गया है।

आदित्य-एल1 मिशन को दो सितंबर को भेजे जाने की संभावना है। इस अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परतों) के दूरस्थ अवलोकन और एल1 (सूर्य-पृथ्वी लाग्रेंज बिंदु) पर सौर वायु के यथास्थिति अवलोकन के लिए तैयार किया गया है। एल1 पृथ्वी से करीब 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर है। यह सूर्य के अवलोकन के लिए पहला भारतीय अंतरिक्ष मिशन होगा। आदित्य-एल1 मिशन का लक्ष्य एल1 के चारों ओर की कक्षा से सूर्य का अध्ययन करना है।

यह अंतरिक्ष यान सात पेलोड लेकर जाएगा, जो अलग-अलग वेव बैंड में फोटोस्फेयर (प्रकाशमंडल), क्रोमोस्फेयर (सूर्य की दिखाई देने वाली सतह से ठीक ऊपरी सतह) और सूर्य की सबसे बाहरी परत (कोरोना) का अवलोकन करने में मदद करेंगे।

इसरो के एक अधिकारी ने कहा कि आदित्य-एल1 पूरी तरह से स्वदेशी प्रयास है, जिसमें राष्ट्रीय संस्थानों की भागीदारी है। बेंगलूरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) की विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ पेलोड' के विकास में अहम भूमिका है, जबकि पुणे के 'इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स' ने मिशन के लिए सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजर पेलोड' विकसित किया है।

आदित्य-एल1, अल्ट्रावॉयलेट पेलोड का उपयोग करके सूर्य की सबसे बाहरी परत (कोरोना) और एक्स-रे पेलोड का उपयोग कर सौर क्रोमोस्फेयर परतों का अवलोकन कर सकता है।

पार्टिकल डिटेक्टर और मैग्नेटोमीटर पेलोड आवेशित कणों के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं। उपग्रह को दो सप्ताह पहले आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित इसरो के अंतरिक्ष केंद्र पर लाया गया है।

इसरो के एक अधिकारी ने कहा, 'प्रक्षेपण दो सितंबर को होने की अधिक संभावना।' अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी लाग्रेंज बिंदु की एल1 हेलो कक्षा के पास स्थापित करने की योजना है।

इसरो ने कहा कि एल1 बिंदु के आसपास हेलो कक्षा में स्थापित उपग्रह को सूर्य को बिना किसी ग्रहण के लगातार देखने का बड़ा फायदा मिल सकता है। इसने कहा है, इससे वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव का पता लगाया जा सकेगा।

मोदी ने जय जवान, जय किसान नारे में जय विज्ञान, जय अनुसंधान जोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां एचएएल एयरपोर्ट के बाहर एकत्र लोगों को जय जवान, जय किसान नारे में जय विज्ञान, जय अनुसंधान जोड़ते हुए संबोधित किया। प्रधानमंत्री का दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के बाद वहां से यूनान की यात्रा पूरी करके आज बेंगलूरु लौटने पर यहां एचएएल एयरपोर्ट के बाहर उनका जोरदार स्वागत किया गया।

मोदी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उप-मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को प्रोटोकाल से संबंधित दिक्कतें न उठाने के उनके आग्रह पर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर राज्यपाल थावरचंद गहलोत को भी धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री वहां उपस्थित लोगों का उत्साह देखकर अभिभूत हो गये।

मोदी ने कहा कि भारत के चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और यूनान में भी इसी तरह का उत्साह देखा था। प्रधानमंत्री ने जल्द से जल्द इसरो टीम के साथ होने की अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी स्वदेश वापसी पर सबसे पहले बेंगलूरु आने का निर्णय किया। प्रधानमंत्री ने चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के दृश्य को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दक्षिण अफ्रीका में देखा था।

कर्नाटक के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री से हवाई अड्डे पर आने का कष्ट नहीं करने को कहा था : मोदी

मोदी की अगवानी न करके प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं किया : शिवकुमार

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कर्नाटक के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से उनके स्वागत के लिए हवाई अड्डा नहीं आने का आग्रह किया था, क्योंकि लंबी उड़ान के बाद वह अपने आगमन के समय को लेकर आश्वस्त नहीं थे और इसलिए नहीं चाहते थे कि इन्हें सुबह इतनी जल्दी आने का कष्ट उठाना पड़े।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों से मुलाकात के लिए मोदी के बेंगलुरु आने से पहले कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को एचएएल हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए आने से कथित रूप से रोका। इस बीच, हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए प्रोटोकॉल की 'अनदेखी' करने को लेकर भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री आर. अशोक और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया। प्रधानमंत्री यूनान की राजधानी एथेंस से सुबह करीब छह बजे सीधे बेंगलूरु पहुंचे, ताकि वह चंद्रयान-3 मिशन में शामिल इसरो के वैज्ञानिकों से मिल सकें। मोदी ने एचएएल (हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) हवाई अड्डे के बाहर बड़ी संख्या में एकत्र लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वह बहुत दूर (एथेंस) से आ रहे हैं और उन्हें यह नहीं पता था कि वह किस समय यहां पहुंचेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से उनके स्वागत के लिए हवाई अड्डा आने का कष्ट नहीं करने को कहा था, क्योंकि वह इसरो के वैज्ञानिकों को धन्यवाद देने के तुरंत बाद लौट जाएंगे। मोदी ने कहा, इसलिए, 'मैंने उनसे अनुरोध किया था कि जब मैं औपचारिक दौरा करूं, तो वे निश्चित ही प्रोटोकॉल का पालन करें। उन्होंने सहयोग किया और मैं उनका शुक्रगुजार एवं आभारी हूं।'

रमेश ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री इस बात को लेकर सिद्दरामैया और शिवकुमार से चिढ़ गए कि उनसे पहले उन दोनों ने इसरो के वैज्ञानिकों को सम्मानित किया। रमेश ने मोदी पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को रोककर 'ओछी राजनीति' करने का आरोप लगाया था। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने यहां इसरो के 'टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क' (आईएसटीआरएसी) का बृहस्पतिवार को दौरा किया था और चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ और उनकी टीम को बधाई दी थी। सिद्दरामैया ने चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' को ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा था कि राज्य सरकार इसके लिए इसरो की टीम को आधिकारिक तौर पर सम्मानित करने के वास्ते एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगी।

मोदी के स्वागत के लिए भाजपा नेताओं को किया बैरिकेड्स के पीछे खड़ा

बेंगलूरु। कर्नाटक के सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने शनिवार को राज्य के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उन नेताओं पर दया भाव व्यक्त किया जिन्हें एचएएल हवाई अड्डे के बाहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए बैरिकेड के पीछे खड़े होने के लिए कहा गया था।

खरगे ने यह भी कहा कि सड़क पर खड़े भाजपा नेताओं ने खुद को अपमानित समझा, लेकिन यह मतदाताओं, कन्नड़ लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं का अपमान है। खरगे ने कन्नड़ भाषा में कहा, भले ही वे राजनीतिक और वैचारिक रूप से विरोधी हैं, मुझे कर्नाटक के भाजपा नेताओं पर दया आती है। यह दयनीय है कि प्रधानमंत्री के सामने भाजपा बैरिकैड्स के पीछे बंद कैदियों की तरह उनका ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्होंने अपना आत्म-सम्मान और स्वाभिमान खो दिया है। मोदी मिशन चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों को बधाई देने के लिए आज यूनान से सीधे बेंगलूरु लौटे थे। खरगे ने आगे कहा, क्या विपक्ष के नेता का चुनाव करना संभव है जब आलाकमान ने उनका इतना तिरस्कार किया हो? अब, भाजपा खुद अपने तानाशाही का शिकार है। ऐसा नहीं है कि सड़क पर खड़े होकर भाजपा नेताओं ने खुद को अपमानित किया है। यह मतदाताओं का भी अपमान है, कन्नड निवासियों का अपमान है और कार्यकर्ताओं का अपमान है।

दक्षिण रेलवे

भारत सरकार
नागरिक उड्डयन मंत्रालय
रेलवे सुरक्षा आयोग

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत रेलवे सुरक्षा, दक्षिणी सर्कल, बेंगलुरु के आयुक्त श्री ए.एम. चौधरी 27.08.2023 (रविवार) को सुबह 09.30 बजे से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मदुरै के पास दक्षिण रेलवे डीआरएम के सम्मेलन कक्ष में वैधानिक जांच करेंगे। "दक्षिण रेलवे के मदुरै डिवीजन के मदुरै यार्ड में खड़े आईआरसीटीसी पर्यटक कोच (नंबर एनईआर सीएन 113210) से जुड़ी घटना" के संबंध में।

जनता के किसी भी सदस्य को घटना और उससे जुड़े मामले के बारे में जानकारी है और वह साक्ष्य देना चाहता है तो वह 27.08.2023 को उपरोक्त स्थान पर ऐसा कर सकता है या रेलवे सुरक्षा आयुक्त, दक्षिणी, दूसरी मंजिल, रेल संरक्षण भवन, बैंगलोर को लिख सकता है – 560023.

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी/दक्षिण रेलवे।

'लाल डायरी' के मुद्दे पर इस्तीफा देकर चुनाव के मैदान में उतरें गहलोत : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कथित 'लाल डायरी' के मुद्दे को लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर शनिवार को निशाना साधा और उनसे इस मुद्दे पर इस्तीफा देकर चुनाव मैदान में उतरने को कहा। इसके साथ ही शाह ने कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने किसानों के लिए ढेर सारे काम किए हैं।

शाह राजस्थान के गंगापुर सिटी शहर में 'सहकार किसान सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, आजकल गहलोत साहब लाल डायरी से बहुत डर रहे हैं। क्यों डर रहे हैं भला जरा बताओ तो राजस्थान वालों? डायरी का आगे का कलर लाल है, अंदर काले कारनामे छिपे हुए हैं। अरबों, करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का कच्चा-चिट्ठा... उस लाल डायरी के अंदर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं गहलोत साहब से कहने आया हूं कि चंद लोग भेजकर नारे लगाने से कुछ नहीं होता... जरा भी शर्म बची है, तो लाल डायरी के मुद्दे पर इस्तीफा देकर चुनाव के मैदान में आइए... हो जाए दो-दो हाथ। अपने संबोधन के आखिर में उन्होंने कहा, घर में कोई भी डायरी हो, उसका रंग लाल मत रखना। गहलोत जी नाराज हो जाएंगे। राजस्थान के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने 24 जुलाई को विधानसभा में कथित 'लाल डायरी' का मुद्दा उठाने की कोशिश की थी। इसके बाद सदन में 'असहज दृश्यों' के बीच उन्हें राज्य विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। शाह के संबोधन की शुरुआत में कुछ लोग नारेबाजी करते दिखाई दिए थे। ग-ह मंत्री ने इसकी तरफ इशारा करते हुए बाद में कहा, जो लोग नारे लगा रहे थे, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि कि नारे लगाने की जगह चंद्रयान को आगे बढ़ाया होता, तो आज नारे लगाने की नौबत नहीं आती। सहकारिता मंत्रालय बनाया होता, किसानों का कल्याण किया होता, तो आज नारे लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।

सहकारिता मंत्री ने दावा किया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने किसानों के लिए कुछ नहीं किया, जबकि भाजपा ने किसानों के लिए ढेर सारे काम किए और ढेर सारी योजनाएं लॉन्च कीं। उन्होंने कहा, कांग्रेस की सरकार थी, तो कृषि बजट 22 हजार करोड़ रुपये था, जिसे मोदी जी ने छह गुना बढ़ाकर एक लाख 25 हजार करोड़ रुपये कर दिया।

शाह ने कहा, 75 साल से देश के किसान अलग सहकारिता मंत्रालय की मांग कर रहे थे प्रधानमंत्री मोदी जी ने उस मांग को पूरा कर अलग सहकारिता मंत्रालय बनाया। मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, ढेर सारे ऐसे काम जो देश में कभी नहीं हुए, वे अब हो रहे हैं। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले ही चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर हमारा चंद्रयान तिरंगा लहराते हुए पहुंच गया। समग्र देश में एक तरह से नयी ऊर्जा और नये विश्वास का संचार हुआ है।

उन्होंने कहा, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के रहस्य, रहस्य बने हुए थे। क्या दुनिया का कोई देश वहां पहुंच पाया। मोदी जी ने हमारे अंतरिक्ष मिशन को नयी गति, नयी ऊर्जा दी और आज भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहली बार पहुंचने वाला देश बना है। यह समग्र देश के लिए गौरव का विषय है। इस अवसर पर लोकसभा सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया और जसकौर मीणा, राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा तथा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी मौजूद थे।

जल परियोजनाओं से जुड़े कार्यों के लिए 265.64 करोड़ रुपये मंजूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने जल परियोजनाओं से जुड़े 15 कार्यों के लिए 265.64 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। एक सरकारी बयान के अनुसार, राज्य सरकार सिंचाई एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लगातार जल परियोजनाओं का सुदृढ़ीकरण कर रही है और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस क्रम में 15 कार्यों के लिए 265.64 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री द्वारा दी गई इस स्वीकृति से बजट में की गई विभिन्न घोषणाओं सहित 'राजस्थान वाटर सेक्टर लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट' से जुड़े 15 कार्य हो सकेंगे। बयान में बताया गया है कि इन कार्यों में प्रतापगढ़, करौली, जालौर, चित्तौड़गढ़, अजमेर, सवाई माधोपुर, उदयपुर और जयपुर में विभिन्न बांधों, नहरों एवं सिंचाई परियोजनाओं तथा उप परियोजनाओं में मरम्मत एवं रख-रखाव आदि से संबंधित कार्य शामिल हैं। बयान के मुताबिक, एक अन्य फैसले के तहत राज्य सरकार ने सिरोही जिले में दो छात्रावास के नवीन भवनों के निर्माण के लिए 5.60 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी है।

राजस्थान में दो सितंबर से भाजपा की चार परिवर्तन यात्राएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चार परिवर्तन यात्राएं निकालने की घोषणा की। पहली परिवर्तन यात्रा की शुरुआत दो सितंबर को रणथंभौर (सवाईमाधोपुर) से होगी जिसे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रवाना करेंगे। चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने यहां संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा,''कांग्रेस के कुशासन, भ्रष्टाचार और बदहाल कानून व्यवस्था के खिलाफ तथा युवा और किसान विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ भाजपा ये परिवर्तन यात्राएं निकालने जा रही है। यात्राएं चार अलग-अलग स्थानों और दिशाओं से राज्य की 200 विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाएंगी।'' उन्होंने कहा कि पहली परिवर्तन यात्रा दो सितंबर को रणथंभौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर से शुरू होगी। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद रहेंगे।

यह यात्रा 18 दिन में 1847 किलोमीटर चलकर भरतपुर संभाग, जयपुर संभाग एवं टोंक जिले की 47 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। दूसरी परिवर्तन यात्रा तीन सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बेणेश्वर धाम डूंगरपुर से शुरू होगी। यह यात्रा 19 दिन में 2433 किलोमीटर चलकर उदयपुर संभाग, कोटा संभाग और भीलवाड़ा जिले की कुल 52 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। तीसरी परिवर्तन यात्रा चार सितंबर को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रामदेवरा जैसलमेर से प्रारंभ होगी। यह यात्रा 18 दिनों में 2574 किलोमीटर चलकर जोधपुर संभाग, अजमेर व नागौर जिले की कुल 51 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी।

चौथी परिवर्तन यात्रा पांच सितंबर को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में गोगामेडी हनुमानगढ़ से प्रारंभ होगी। यह यात्रा के तहत 18 दिनों में 2128 किलोमीटर चलकर बीकानेर संभाग, झुंझुनू सीकर और अलवर जिले की कुल 50 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचा जाएगा। इन सभी यात्राओं के लिए एक टोली का गठन किया गया है जिसमें मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी एवं प्रचार-प्रसार सभा के प्रमुख बनाए गए हैं। पंचारिया ने कहा कि परिवर्तन यात्रा के दौरान किसान चौपाल, युवा मोटरसाइकिल रैली, महिलाओं की बैठक और दलित चौपालें भी आयोजित की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

विभूतियों को सम्मानित करने से युवाओं को लीक से हटकर मिलेगी प्रेरणा : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने समाज में अपने बूते विशिष्ट पहचान बनाने वाली विभूतियों की उपलब्धियों को सम्मान देना महती कार्य बताते हुए कहा है कि इससे युवा पीढ़ी को लीक से हटकर अपनी प्रतिभा को निखारने की प्रेरणा मिलेगी। मिश्र शनिवार को राजभवन में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर के विशेष दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. दलबीर भंडारी को विधि में डॉक्टरेट की मानद उपाधि एवं लोकसभा सदस्य, प्रख्यात अभिनेत्री हेमामालिनी को डी.लिट. की मानद उपाधि से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विशेष दीक्षांत समारोह के माध्यम से अपनी प्रतिभा के लिए देश-विदेश में विशिष्ट स्थान बनाने वाली विभूतियों को अकादमिक सम्मान से सम्मानित करने की यह जो परम्परा शुरू हुई है, वह अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी अनुकरणीय है। मिश्र ने कहा कि डॉ. दलबीर भंडारी ने भारत को न्यायिक क्षेत्र में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की परियोजना भारत में आपराधिक न्याय प्रशासन के अंतर्गत महती कार्य किया है और विधि शिक्षा के अंतर्गत किए गए उनके कार्य भी विशेष स्थान रखते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमती हेमामालिनी भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों से जुड़ी है। उन्हें विश्वविद्यालय की यह जो उपाधि प्रदान की गई है, उसके पीछे मंशा यही है कि कलाओं की भारतीय दृष्टि को सम्मान मिले और नई पीढी इसे समझे।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री राजेन्द्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से बालिकाओं के लिए उच्च शिक्षा के अवसर बढ़े हैं और महाविद्यालयों में बालिकाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डॉ. भंडारी ने कहा कि अपने ही प्रदेश में डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त करना उनके लिए खुशी की बात है। श्रीमती हेमामालिनी ने कहा कि वे नृत्य नाटिकाओं के द्वारा देश की सांस्कृतिक विरासत के प्रसार का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कलाकार के तौर पर उनकी उपलब्धियों के लिए मानद उपाधि प्रदान किए जाने पर आभार प्रकट किया। डॉ. भंडारी और श्रीमती हेमामालिनी ने राजभवन में निर्मित संविधान उद्यान को संवैधानिक जागरुकता की दृष्टि से महत्वपूर्ण नवाचार बताते हुए कहा कि इसमें संविधान निर्माण के इतिहास, पृष्ठभूमि और इससे जुड़े सांस्कृतिक मूल्यों को सहज और सरल रूप में दर्शाया गया है। राज्यपाल ने आरम्भ में सभी को संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

दुष्कर्म के आंकडो को लेकर प्रदेश की जनता को गुमराह करना बंद करें गहलोत : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर अपराध और दुष्कर्म के झूंठे आंकडे प्रस्तुत कर प्रदेश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए भाजपा प्रदेश कार्यालय पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एंव सांसद कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने कहा कि मुख्यमंत्री कभी बजट भाषण गलत पढ जाते हैं, कभी प्रदेश की दुष्कर्म घटनाओं के आंकडो के नाम पर किसी अन्य राज्य के आंकडे प्रस्तुत करते हैं। प्रदेश में 06 वर्ष से कम उम्र की 18 बच्चियों के साथ दुष्कर्म, 06 से 12 वर्ष की 64 बालिकाओं के साथ दुष्कर्म, 12 वर्ष से 16 साल तक की 442 बालिकाओं के साथ दुष्कर्म और अन्य पांच हजार के करीब महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं शामिल हैं।

राष्ट्रीय प्रवक्ता एंव सांसद कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने कहा कि राज्य सरकार के डेटा के आधार पर एनसीआरबी ने जो आंकडे जारी किए हैं उनमें स्पष्ट है कि राजस्थान में दुष्कर्म के मामले 6 हजार से ज्यादा, यूपी में महज 2800 और मध्यप्रदेश में 2900 के करीब दुष्कर्म के मामले दर्ज किए गए हैं। प्रदेश के मुखिया के नाते सीएम गहलोत को इस तरह के गैर जिम्मेदाराना व्यक्तव्य शोभा नहीं देते। इसके अलावा हैरानी की बात तो यह है कि जब कल सीएम गहलोत प्रेसवार्ता में खुद की पीठ थपथपा रहे थे उस दौरान धौलपुर में एक थानेदार का अपहरण कर मारपीट की गई, दौसा में पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या की गई, अजमेर में महिला के साथ दुष्कर्म, बांसवाडा में हत्या, भिवाडी में फायरिंग और जयपुर में गैंगरेप की घटनाओं सहित विभिन्न घटनाएं घटित होती हैं। प्रदेश की जनता इन सब घटनाओं को कैसे भूल पाएगी। राष्ट्रीय प्रवक्ता एंव सांसद कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने करौली भीलवाडा, उदयपुर, बीकानेर सहित ऐसा कोई जिला नहीं है जहां दुष्कर्म हत्या और फायरिंग की घटनाएं ना हो रही हों। मुख्यमंत्री गहलोत की घोषणाएं जब बदनाम होने लगी तो वे गारंटी देने लगते हैं। प्रदेश में 200 मुख्यमंत्री बनाकर सीएम गहलोत ने खुद को अपनी जिम्मेदारियों से दूर कर लिया है।

अपराध और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकना पड़ेगा : वीके सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नीमकाथाना। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं नागरिक उडडयन राज्यमंत्री जनरल डॉ वीके सिंह ने गहलोत सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि आज राजस्थान के हालात ऐसे है, मुझे कुछ कहना भी अच्छा नहीं लग रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अपराध और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकना पड़ेगा और इस बात की चिंगारी ग्राम भूदोली से पूरे प्रदेश में जानी चाहिए। वरिष्ठ भाजपा नेता रघुवीर सिंह भूदोली के जन आर्शीवाद समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे केंद्रीय मंत्री जनरल डॉ वीके सिंह ने कहा कि बहुत लोगों ने मुझसे पूछा था, कि आपने भाजपा क्यों ज्वाइन की, तो मैने कहा कि सेना की तरह भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जिसके लिए देश पहले है। सेना के अनुरुप भाजपा में अनुशासन है और भाजपा हमेशा देश को आगे रखती है।

उन्होंने कहा कि आज जो देश में माहौल है, उसे समझना जरूरी है। एक तरफ देश आगे बढ़ रहा है, साथ ही पूरे विश्व में आशा की किरण के रुप में भारत को देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 9 साल का लेखा-जोखा देखेंगे, तो पूरे विश्व में भारत की एक पहचान बन गई है। सिंह ने कहा कि चांद पर सबसे मुश्किल जगह पर भारत का चंद्रयान पहुंचा है। यह सब इसरो की कामयाबी है, लेकिन बड़ी बात यह है कि इसरो में एक भी अमरीकी नहीं है, बल्कि नासा में बहुत से भारतीय वैज्ञानिक है। वहीं दूसरी तरफ ऐसे लोग रहे है पहले , जो संस्कृति को बदलाने का कार्य करते थे। कैसे भारतीय संस्कृति पर दबाव डाला जाए। लेकिन अब ऐसा नहीं है, पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और भारतीय संस्कृति का बढ़-चढ़कर पूरे विश्व में प्रचार हो रहा है।

जनरल डॉ. वीके सिंह ने यह भी कहा कि यहां शहीदों की वीरांगनाओं की स्थिति सुधारने के लिए समाज को भी आगे आना होगा। साथ ही पूर्व सैनिकों को आदर देना बहुत जरूरी है। अगर आप आदर देंगे, तो पूर्व सैनिक का आत्मसम्मान मजबूत होगा।

नगर पालिका अध्यक्ष रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शनिवार को जोधपुर जिले में एक नगरपालिका अध्यक्ष को 65 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। ब्यूरो की ओर से यहां जारी बयान के अनुसार, नगर पालिका बालेसर सत्ता के अध्यक्ष रेवत राम को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है।

परिवादी ने शिकायत दी है कि उसके कब्जाशुदा भूखंड का पट्टा जारी करने के एवज में रेवत राम (तत्कालीन सरपंच, ग्राम पंचायत बालेसर सत्ता) जो इस समय नगर पालिका-बालेसर सत्ता के अध्यक्ष हैं, की ओर से एक लाख रुपये की रिश्वत मांगकर उसे परेशान किया जा रहा है। बयान के मुताबिक, ब्यूरो की टीम ने शिकायत का सत्यापन कर शनिवार को जाल बिछाया, जिस दौरान आरोपी नगर पालिका अध्यक्ष रेवत राम को परिवादी से 65 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। बयान के अनुसार, आरोपी के घर और अन्य ठिकानों की तलाशी ली जा रही है।

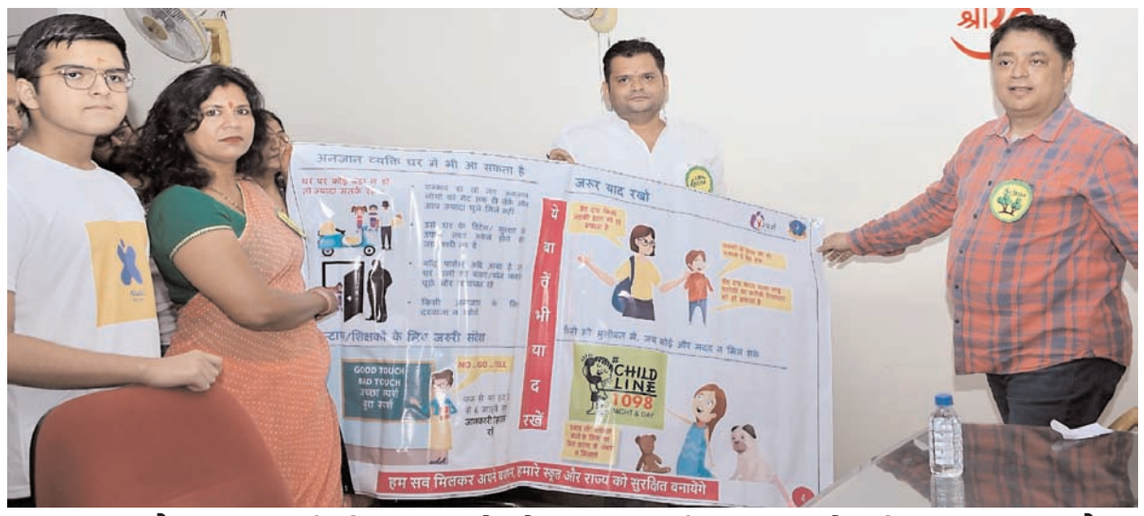

'गुड टच बैड टच' की शिक्षा बच्चों में सुरक्षा की भावना के लिए अहम : जैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने शनिवार को जयपुर में जवाहर नगर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में प्रदेश के निजी स्कूलों में अगले माह से असुरक्षित स्पर्श के प्रति बच्चों को जागरूक करने के लिए संचालित होने वाले अभियान का आगाज किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज शनिवार को राज्य के 66 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में 'गुड टच बैड टच' के प्रति विद्यार्थियों की समझ विकसित करने के लिए प्रथम चरण का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। राजस्थान सरकार के इस महत्वाकांक्षी अभियान में सरकारी स्कूलों के साथ प्राइवेट स्कूलों को भी अगले महीने से इस मुहिम में शामिल किया जाएगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा बच्चों में 'गुड टच बैड टच' के प्रति जागरूकता फैलाई जा सके और 'सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थान' की भावना सार्थक हो सके।

शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि असुरक्षित स्पर्श के ट्रेनिंग सेशंस में प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों के बच्चों की रिकार्ड भागीदारी से ज्यादा अहम यह बात है कि हम छात्र-छात्राओं के अंदर सुरक्षा की भावना को मजबूत करने और उनमें 'गुड टच बैड टच' की समझ विकसित करते हुए समाज से बच्चों के प्रति यौन दुर्व्यवहार की बुराई को मिटाने का आधार तैयार कर रहे हैं।

उन्होंने इस अभियान में सरकारी स्कूलों के साथ-साथ निजी स्कूलों की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए शिक्षक समुदाय से इसमें बढ़ चढ़कर भूमिका निभाने की अपील की। शासन सचिव जैन ने स्वयं ट्रेनिंग सेशंस का संचालन करते हुए प्रोजेक्टर और संदेश मूवी के माध्यम से 'गुड टच बैड टच' को बेहद प्रभावी और सरलतम रूप में समझाया। उन्होंने बच्चों को 5 सेंसेस के बारे में बताया जिसके जरिये बच्चों को असुरक्षित स्पर्श की पहचान हो सके और वे हर स्थिति में सतर्क रह सके। इसके अलावा 5 सिग्नल्स के माध्यम से बच्चों को 'गुड टच बैड टच' के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिप्स, छाती, पैरों के बीच में, कमर के नीचे या पीछे यदि कोई स्पर्श करे तो ये बैड टच का सिग्नल है। बैड टच की स्थिति में बच्चों को चिल्लाते हुए नो बोलकर उस स्थान या व्यक्ति से सावधानी के साथ दूर भागने (गो) और इसके बारे में बिना किसी डर या घबराहट के किसी बड़े या जिस पर उनको सबसे ज्यादा भरोसा हो, को बताने (टैल) के लिए सजग करते हुए ' नो- गो-टेल' का स्लोगन दिया।

पानी की किल्लत से परेशान महिलाओं ने लगाया जाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। अलवर के गौरी देवी महिला महाविद्यालय के सामने रोड पर पानी की समस्या से परेशान महिलाओं ने रोड जाम कर दिया। सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई और वाहनों को निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और महिलाओं से समझाइश कर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन महिलाओं ने मौके पर जलदाय विभाग अधिकारियों को बुलाने की बात कही। उसके बाद पुलिस ने

मौके पर जलदाय विभाग के अधिकारियों को बुलाया और अधिकारियों ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि उनके क्षेत्र में हो रही पानी की समस्या का जल्द निराकरण कर दिया जाएगा।

महिलाओं ने अधिकारियों से कहा कि पूरे क्षेत्र में पानी की समस्या विकराल है। ऐसे में महिलाएं दूर दराज से पानी भरकर अपना घर का कामकाज कर रही हैं। पूरा-पूरा दिन हो जाता है,लेकिन पानी की आपूर्ति क्षेत्र में नहीं हो पा रही है।

ऐसे में महिलाओं ने बताया कि जब महिलाएं पानी की समस्या लेकर मनु मार्ग स्थित जलदाय विभाग में जाती हैं, तो वहां पर उनकी कोई भी सुनने वाला नहीं मिलता और अगर अधिकारी मिल भी जाता है तो सिर्फ आश्वासन देकर उनको वहां से टरका दिया जाता है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में पानी की बोरिंग भी सूखी पड़ी है। ऐसे में क्षेत्र में पानी की बोरिंग होनी चाहिए। जिससे कि लोगों को पानी की आपूर्ति की जा सके।

मेघालय में मलबे से सोनपुर सुरंग हुई अवरुद्ध, यातायात बुरी तरह से प्रभावित: पुलिस

शिलांग/भाषा। मेघालय के पूर्वी जैंतिया हिल्स जिले में शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग छह पर सोनापुर सुरंग मलबा आने से अवरुद्ध हो गई जिससे त्रिपुरा, मिजोरम और असम की बराक घाटी में यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक जगपाल एस धानोआ ने कहा कि बीते 24 घंटों से लगातार हो रही बारिश के कारण मलबा बहकर आया। इसमें दो वाहन फंस गए थे। उन्होंने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को इसकी सफाई करने और पूर्वोत्तर के तीन अन्य राज्यों को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग छह पर यातायात सामान्य रूप से सुनिश्चित करने के लिए सूचित कर दिया गया था। एनएनआईए के एक अधिकारी ने बताया कि मलबे को हटाने और फंसे हुए वाहनों को निकालने के लिए मशीनों और कर्मचारियों को काम पर लगाया गया है।

उप्र सरकार साइबर अपराध रोकने के लिए पुलिस को हर स्तर पर सक्षम बनाएगी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य पुलिस को हर स्तर पर सक्षम बनाएगी। जारी आधिकारिक बयान में बात कही गई है। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस को हर स्तर पर साधन-संपन्न करने का निर्णय लिया है। इसमें कहा गया है कि शनिवार को प्रदेश में साइबर सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वर्तमान में परिक्षेत्रीय स्तर पर संचालित साइबर अपराध पुलिस थानों को अब सभी 75 जिलों तक विस्तार दिया जाए और वर्तमान में जिला स्तर पर संचालित साइबर प्रकोष्ठ को आगे बढ़ाते हुए हर थाने में साइबर सेल गठित किया जाए।

मुजफ्फरनगर के स्कूल में बच्चे की पिटाई के पीछे भाजपा की नफरत की राजनीति : कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के एक विद्यालय में एक बच्चे की कथित पिटाई की घटना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नफरत वाली राजनीति का नतीजा है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं देश की छवि को खराब करती हैं। खरगे ने दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की, ताकि कोई भी इसे दोहराने का दुस्साहस नहीं करे। सोशल मीडिया में प्रसारित एक वीडियो में कथित तौर पर दिखाया गया है मुजफ्फरनगर में एक शिक्षिका कक्षा दो के अपने विद्यार्थियों को एक मुस्लिम बच्चे को थप्पड़ मारने के लिए कह रही हैं और पीड़ित छात्र के समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर रही हैं। इस घटना की कई राजनीतिक दलों ने कड़ी निंदा की है। खरगे ने 'एक्स (पूर्व में ट्वीटर)' पर हिंदी में एक पोस्ट कहा, उत्तर प्रदेश के एक स्कूल में जिस तरह एक अध्यापिका ने धार्मिक भेदभाव कर एक बच्चे को दूसरे बच्चे से पिटवाया है, वो भाजपा-आरएसएस की नफरत भरी राजनीति का विचलित कर देने वाला परिणाम है। ऐसी घटनाएं हमारी वैश्विक छवि पर कालिख पोत देती हैं। यह संविधान के खिलाफ है।

अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की सफलता के पीछे नेहरू की आत्मनिर्भरता की सोच : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत को आत्म-निर्भर बनाने की सोच और आलोचनाओं के बावजूद दुनिया की बड़ी शक्तियों से सहयोग नहीं लेने के उनके फैसले के कारण अंतरिक्ष अन्वेषण में इतने अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पाकिस्तानी मीडिया में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की शानदार उपलब्धियों पर काफी टिप्पणी की गई है और इस तथ्य को लेकर दुःख जताया गया है कि पाकिस्तान की अंतरिक्ष एजेंसी 'स्पेस एंड अपर एटमॉसफेयर रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन' की स्थापना 1961 के अंत में ही हो गई थी, जबकि भारत में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (इन्कोस्पार) की स्थापना उसके बाद 1962 के फरवरी महीने में हुई थी, लेकिन दोनों की उपलब्धियों में जमीन-आसमान का अंतर है।

जी-20 ढांचे के भीतर उपभोक्ता संरक्षण को प्राथमिकता देने की जरूरत: अंकटाड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंकटाड की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन ने उपभोक्ता हितों को मजबूत बनाने के लिए जी-20 ढांचे के भीतर अनुचित व्यापार गतिविधियों से उपभोक्ताओं के संरक्षण को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई है। उन्होंने आगामी ब्राजील की अध्यक्षता में जी-20 उपभोक्ता शिखर सम्मेलन आयोजित कराने की वकालत की। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड) के सहयोग से उपभोक्ता सशक्तीकरण के लिए काम करने वाला संगठन 'कट्स इंटरनेशनल' द्वारा हाल में आयोजित वेबीनार में रेबेका ग्रिनस्पैन ने कहा, डिजिटल परिवर्तन और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए हो रहे बदलाव के बीच उपभोक्ता हितों के संरक्षण के लिए वैश्विक स्तर पर कदम उठाने की जरूरत है।

जी-20 की अगली अध्यक्षता ब्राजील के पास जा रही है। उसकी अध्यक्षता में उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत बनाने के लिए जी-20 उपभोक्ता शिखर सम्मेलन आयोजित करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में जी-20 की अध्यक्षता भारत के पास है और इसकी अगली (2024) अध्यक्षता ब्राजील के पास होगी। वेबिनार में सिविल-20 के प्रधान समन्वयक (शेरपा) विजय के नाम्बियार ने कहा, हालांकि, उपभोक्ता आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि प्राथमिक लक्ष्य टिकाऊ स्तर पर सभी के जीवन की गुणवत्ता को बनाए रखने के साथ उसे आगे बढ़ाना है.... वैश्विक असमानताओं और चुनौतियों को देखते हुए मजबूत उपभोक्ता संरक्षण उपायों की जरूरत है।

वाराणसी में जी20 के संस्कृति मंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री का वीडियो संदेश चलाया जाएगा

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में शनिवार को आयोजित होने वाली जी20 संस्कृति मंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पहले से ही रिकॉर्ड किया गया वीडियो संदेश चलाया जाएगा। वाराणसी प्रधानमंत्री मोदी का संसदीय क्षेत्र है। सूत्रों ने बताया कि नौ मिनट के वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री भव्य जी20 कार्यक्रम के लिए वाराणसी में जुटे मंत्रियों और अन्य प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देंगे। वाराणसी ने 24-25 अगस्त के दौरान जी20 संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की चौथी और अंतिम बैठक की मेजबानी की।

सीतारमण ने ब्रिटेन की व्यापार मंत्री से मुलाकात की, निवेश, एफटीए पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बडेनोच से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय निवेश और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा हुई।

वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और व्यापार मंत्री केमी बडेनोच ने संक्षेप में विचारों का आदान-प्रदान किया और भारत-ब्रिटेन एफटीए और भारत-ब्रिटेन बीआईटी पर जारी बातचीत को जल्द नतीजे तक ले जाने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने आपसी हितों के द्विपक्षीय निवेश और व्यापार मुद्दों पर चर्चा की।

इससे पहले दिन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूरोपीय आयोग के कार्यकारी उपाध्यक्ष वी डोम्ब्रोव्स्की से भी मुलाकात की और एफटीए तथा आपसी हितों के अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

शरद पवार ने राकांपा में विभाजन होने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्हापुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने एक बार फिर अपनी पार्टी में विभाजन से शनिवार को इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह सच है कि कुछ विधायक पार्टी से चले गए हैं, लेकिन अकेले विधायकों का मतलब पूरी राजनीतिक पार्टी नहीं होता।

शरद पवार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह राकांपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और जयंत पाटिल पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख हैं। पार्टी के बागी नेताओं के प्रति नरम रुख को लेकर किए गए सवाल पर पवार ने कहा, राकंपा विभाजित नहीं हुई है। हालांकि यह सच है कि कुछ विधायक चले गए हैं, विधायकों का मतलब राजनीतिक दल नहीं है। बागियों का नाम लेकर उन्हें महत्व क्यों दिया जाए। पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष एवं शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने कहा था कि पार्टी विभाजित नहीं हुई है और अजित पवार उनके नेता बने रहेंगे। इस बयान के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने शुक्रवार को कहा था, हां...इसमें कोई विवाद नहीं है। लेकिन कुछ घंटों बाद, पवार ने कहा था कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया।

अजित पवार और राकांपा के आठ अन्य विधायक दो जुलाई को राज्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में शामिल हो गए थे।

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए पवार ने कहा, मैं फासीवादी प्रवृत्तियों का विरोध करना जारी रखूंगा। केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग हुआ है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) की 31 अगस्त और एक सितंबर को मुंबई में होने वाली बैठक के दौरान 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के साथ-साथ संयुक्त अभियान पर भी चर्चा की जाएगी।

वैष्णव ने पश्चिम बंगाल में रेल परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया

कोलकाता/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम बंगाल में रेलवे की परियोजनाओं में हुई प्रगति का जायजा लेने के लिए कोलकाता में एक समीक्षा बैठक की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि पूर्वी रेलवे, दक्षिण-पूर्वी रेलवे, मेट्रो रेलवे और उत्तर-पूर्व सीमान्त रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने राज्य में शुरू की गई विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति के बारे में वैष्णव को शुक्रवार को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहर के दो दिवसीय दौरे पर कोलकाता पहुंचे वैष्णव कवि सुभाष स्टेशन से हेमंत मुखोपाध्याय स्टेशन तक कोलकाता मेट्रो की छठी लाइन का निरीक्षण भी करेंगे।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी निजी यात्रा पर श्रीनगर पहुंचीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी शनिवार को निजी यात्रा पर श्रीनगर पहुंचीं, जबकि उनके बेटे राहुल गांधी एक दिन पहले ही अपने एक सप्ताह के लद्दाख दौरे के बाद यहां पहुंचे थे।

शनिवार दोपहर को हवाई अड्डे पर पहुंचने पर सोनिया का उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया, जिनमें जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वकार रसूल वानी भी शामिल थे। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि अपने आगमन के तुरंत बाद सोनिया ने यहां निगीन झील का दौरा किया और नाव की सवारी का आनंद लिया। लद्दाख दौरे के बाद शुक्रवार को यहां पहुंचे वायनाड के सांसद राहुल भी निगीन झील में एक हाउसबोट पर रुके और परिवार के शनिवार को रैनावाड़ी इलाके के एक होटल में रुकने की संभावना है।

पार्टी नेता ने कहा कि राहुल की बहन प्रियंका गांधी और उनके पति रॉबर्ट वाद्रा के भी यहां पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया कि परिवार रविवार को गुलमर्ग घूमने जा सकता है। नेता ने कहा कि यात्रा के दौरान परिवार का कोई राजनीतिक कार्यक्रम निर्धारित नहीं है। उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से व्यक्तिगत, पारिवारिक यात्रा है और किसी भी पार्टी के नेता के साथ कोई राजनीतिक चर्चा या बैठक नहीं होगी। राहुल 17 अगस्त को लद्दाख पहुंचे थे, जो अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विभाजित करके लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिए जाने के बाद इस क्षेत्र की उनकी पहली यात्रा थी।

तमिलनाडु के मदुरै में ट्रेन हादसे की खबर से उत्तर प्रदेश में मातम

सीतापुर/लखनऊ/भाषा। तमिलनाडु के मदुरै रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन के खड़े डिब्बे में शनिवार तड़के आग लगने की घटना में यात्रियों की मौत से उत्तर प्रदेश में मातम छा गया। एक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में उत्तर प्रदेश के कम से कम छह यात्रियों की मौत हो गई। ट्रेन हादसे में उत्तर प्रदेश के यात्रियों की मौत की खबर आने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख प्रकट किया और पीड़ित परिवारों को राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की।

योगी ने बयान में कहा कि मदुरै ट्रेन दुर्घटना अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। वहीं, सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, रेलवे की लापरवाही से मदुरै में हुए रेल हादसे में उप्र के 10 लोगों की मौत का समाचार बेहद दुखद है। श्रद्धांजलि! इस लापरवाही की गहन जांच हो और मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए। जिस डिब्बे में आग लगी, वह एक 'प्राइवेट पार्टी कोच' (किसी व्यक्ति द्वारा बुक किया पूरा डिब्बा) था और उसमें सवार 65 यात्री मदुरै पहुंचे थे। दक्षिण रेलवे ने कहा आग की घटना में 10 यात्रियों की मौत होने की सूचना है।

असम के जोरहाट में फ्लाईओवर के नीचे बनाया गया बैडमिंटन कोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोरहाट/भाषा। असम के जोरहाट जिले में फ्लाईओवर के नीचे एक 'बैडमिंटन कोर्ट' बनाया गया है, जिसे मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाला एक रचनात्मक तरीका करार दिया है। फ्लाईओवर के नीचे, आमतौर पर इस इस तरह के स्थानों पर या तो गाड़ियां खड़ी कर दी जाती हैं, या वे खाली पड़ते रहते हैं। यह जोरहाट का पहला फ्लाईओवर है, जिसके नीचे एक बैडमिंटन कोर्ट भी बनाया गया है।

असम बैडमिंटन एसोसिएशन (एबीए) के सचिव दिगंता बरगोहेन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एक स्थानीय व्यापारी ने अपने पिता की याद में शहर के ना-अली इलाके में फ्लाईओवर के नीचे बुनियादी सुविधाओं के साथ बैडमिंटन कोर्ट बनवाया है। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन कोर्ट के लिए सदस्यों को निर्धारित शुल्क देना होगा और यह जल्द ही शुरू हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने 16 अगस्त को फ्लाईओवर का उद्घाटन किया था और उन्होंने इसके नीचे बैडमिंटन कोर्ट बनाए जाने की सराहना की है।

उन्होंने 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर एक पोस्ट में कहा,'रेलवे ओवरब्रिज के नीचे के स्थान का बैडमिंटन कोर्ट के रूप में उपयोग करना खेल और मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ावा देने का एक रचनात्मक तरीका है। हमें ऐसी पहल करते हुए खुशी हो रही है जो खेलो इंडिया अभियान में योगदान देती हैं।

मेरे सपने पूरे करने के लिए परिवार ने काफी कुर्बानियां दी : हॉकी खिलाड़ी कार्ति सेल्वम

बेंगलूरु/भाषा। एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय हॉकी खिलाड़ी कार्ति सेल्वम का मानना है कि वह माता पिता की अपेक्षाओं पर खरे उतर सके हैं जिन्होंने उनके सपने पूरे करने के लिए काफी बलिदान दिए।

कार्ति पिछले 13 साल में सीनियर पुरुष हॉकी टीम में चुने जाने वाले तमिलनाडु के पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले साल जकार्ता में एशिया कप में टीम में पदार्पण किया। इस साल एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में उन्होंने दो गोल किए और कई गोलों में सूत्रधार की भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, मुझे मलेशिया के खिलाफ टूर्नामेंट में अपना पहला गोल हमेशा याद रहेगा। वह पहला गोल था जो मैने अपने परिवार के सामने किया। वे पहली बार मुझे मैदान पर खेलते देख रहे थे। उन्होंने कहा, गोल करने के बाद मैने अपने माता पिता की ओर देखा जिनकी मुस्कुराहट मेरे लिए सब कुछ थी। उस समय मुझे लगा कि इतने साल की मेरी मेहनत, मेरे परिवार के बलिदान सब सफल हो गए। हमने जितनी आर्थिक परेशानियां सही, सब पीछे छूट गई।

भारतीय टेनिस खिलाड़ियों को एकल पर फोकस करना चाहिए : पेस और भूपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और महेश भूपति का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को युगल की बजाय एकल पर फोकस करना चाहिए। यह पूछने पर कि क्या भारतीय खिलाड़ियों को युगल पर अधिक ध्यान देना चाहिए, भूपति ने कहा, नहीं। वे ऐसा क्यो करेंगे। उन्होंने कहा, रमेश कृष्णन (80 के दशक के मध्य में) के बाद से हमारा कोई खिलाड़ी किसी ग्रैंडस्लैम में एकल क्वार्टर फाइनल तक नहीं गया है। हमें उसी पर फोकस करना चाहिए। युगल में हमने इतने ऊंचे मानक कायम किए हैं कि उस तक पहुंचने में दशक लगेंगे।

यूएस पोलो एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर पेस ने कहा, आपको हर वर्ग को अलग करके देखना होगा। एकल हो, युगल या मिश्रित युगल, सभी टेनिस है। एकल पर फोकस करना चाहिए क्योंकि सबसे ज्यादा शोहरत उसी में मिलती है। उन्होंने इस साल के विम्बलडन चैम्पियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज का उदाहरण दिया जो 20 वर्ष की उम्र में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने कहा, एकल के लिए युवाओं को तैयार करना सबसे कठिन है। अल्काराज को देखो जो सिर्फ 20 साल का है और दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी है। हमारे बच्चे 18 या 19 वर्ष की उम्र में भी जूनियर से बाहर नहीं निकल पाते। फिर सोचते हैं कि कॉलेज जाएं या आगे पेशेवर टेनिस खेले। यह दुनिया ही अलग है।

विश्व कप में दमदार प्रदर्शन के लिए नीदरलैंड को भारत में लगे शिविर और अभ्यास मैचों से भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। नीदरलैंड की टीम पांच अक्टूबर से शुरू हो रहे एकदिवसीय विश्व कप के लिए सितंबर के मध्य में भारत में शिविर लगाने के साथ स्थानीय टीमों के साथ कुछ अभ्यास मैच खेल कर अपनी तैयारियों को पुख्ता करेगी।

विश्व कप के क्वालीफाइंग चरण में वेस्टइंडीज जैसी कुछ बड़ी टीमों को पछाड़ने वाले नीदरलैंड के कोच रेयान कुक को उम्मीद है कि भारत में पहले पहुंच कर अभ्यास शिविर लगाने से टीम को फायदे की स्थिति में रहेगी। बेंगलूरु में शिविर लगाने के बाद यह टीम विश्व कप से पहले तिरुवनंतपुरम में अभ्यास मैचों में भारत और ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। कुक ने शनिवार को मीडिया से कहा, हम अपनी तरफ से पुरजोर तैयारी कर रहे है। भारत में खिलाड़ी शिविर में समय बिताएंगे और फिर कुछ अभ्यास मैच होंगे। हमें उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट के दौरान टीम के लिए मददगार होगा। विश्व कप शुरू होने के बाद हर खिलाड़ी का मकसद उसमें अच्छा प्रदर्शन करना होगा। नीदरलैंड की टीम ने जुलाई में क्वालीफाइंग मुकाबलों के बाद एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है जिससे बड़े टूर्नामेंट से पहले उनकी तैयारी प्रभावित हो रही है। नीदरलैंड 1996 और 2011 में भारत में हुए विश्व कप का हिस्सा था लेकिन टीम इन दोनों सत्रों में एक भी मैच जीतने में सफल नहीं रही। टीम के कप्तान स्कॉट एडवर्ड हालांकि इतिहास को ज्यादा तवज्जो नहीं देना चाहते है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि अतीत को याद करने की जरूरत है। आपके पास अब बिलकुल नई टीम है। हम इसे टीम के नजरिये से देख रहे है। हमें लगता है कि इस टीम ने पिछले दो साल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। विश्व कप लीग चरण में नीदरलैंड का मुकाबला भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे टीमों से होगा जिसमें विश्व स्तरीय स्पिन गेंदबाज है।

अमन, आकाश, अनुज ने विश्व चैम्पियनशिप के लिए कुश्ती का ट्रायल जीता

विश्व चैंपियनशिप 16 सितंबर से सर्बिया के बेलग्रेड में की जाएगी आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटियाला/भाषा। अमन सहरावत ने शनिवार को यहां पुरुषों के 57 किग्रा फ्री-स्टाइल वर्ग में अपना वर्चस्व कायम करते हुए विश्व चैंपियनशिप की टीम में जगह बनाई, जबकि अनुभवी ओलंपियन दीपक पूनिया राष्ट्रीय ट्रायल में शामिल नहीं हुए।

अमन ने ट्रायल के फाइनल में आतिश टोडकर को हराकर इस साल अपने लिए दोहरी खुशी हासिल की। आकाश दहिया 61 किग्रा में नीरज से बेहतर प्रदर्शन करने के बाद भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि अनुज कुमार 65 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करते नजर आएंगे।

इस भारवर्ग में लंबे समय से ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया देश का प्रतिनिधित्व करते आ रहे है। बजरंग ने एशियाई खेलों के लिए विदेश में प्रशिक्षण लेने के लिए पहले ही विश्व ट्रायल छोड़ने का फैसला कर लिया था।

बजरंग उनके करीबी सहयोगी जितेंद्र किन्हा के अलावा ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक के पति सत्यव्रत कादियान ने इस ट्रायल में हिस्सा नहीं लिया।

इन सभी पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरना दिया था।

इस ट्रायल में सबसे ज्यादा निराशा विशाल कालीरमन (65 किग्रा) को मिली। वह एशियाई खेलों को ट्रायल के नतीजे को यहां दोहराने में नाकाम रहे। इससे एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप दोनों में देश का प्रतिनिधित्व करने का उनका सपना लगभग टूट गया।

कालीरमन एशियाई खेलों के स्टैंडबाई खिलाड़ी है और अगर बजरंग टूर्नामेंट से हटते है तो उन्हें देश के प्रतिनिधित्व का मौका मिलेगा। विश्व चैंपियनशिप 16 सितंबर से सर्बिया के बेलग्रेड में आयोजित की जाएगी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने गुरुवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर प्रतिबंध लगा दिया। अगर यह प्रतिबंध नहीं हटा तो भारतीय पहलवान तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर यूडब्ल्यूडब्ल्यू के बैनर तले चुनौती पेश करेंगे।

फ्री-स्टाइल कुश्ती चयन ट्रायल का के विजेता

अमन सहरावत (57 किग्रा), आकाश दहिया (61 किग्रा), अनुज कुमार (65 किग्रा), अभिमन्यु (70 किग्रा), नवीन (74 किग्रा), सचिन मोरे (79 किग्रा), संदीप सिंह (86 किग्रा), पृथ्वीराज पाटिल (92 किग्रा), साहिल (97 किग्रा), सुमित मलिक (125 किग्रा)।

सुविचार

कभी कभी हम किसी के लिए उतना जरुरी भी नहीं होते, जितना हम सोच लेते हैं।

ट्वीट

राजस्थान की जनता 2023 के विधान सभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन कर 2024 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से सभी सीटें भाजपा को देकर मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

-अमित शाह

राजस्थान में महिला सशक्तिकरण के लिए हमारी भाजपा सरकार ने भामाशाह योजना, राजश्री, बालिका छात्रवृत्ति, महिला पेंशन, निःशुल्क सैनेटरी पेड्स जैसी नीतियों पर काम किया तथा उन्हें समाज में समानता के साथ जीवन जीने की राह दिखाई।

-वसुंधरा राजे

कहानी

एक और इनसान

अनुराग शर्मा

खिल्लू दंभार मर गया साहब! अधबूढ़े का यह वाक्य अभी भी मेरे कानों में गूँज रहा है। वैसे तो मेरे काम में सारे दिन ही कठिन होते हैं मगर आज का दिन कुछ ज्यादा ही अजीब था। सारा दिन में अजीब-अजीब लोगों से दो-चार होता रहा। सुबह दफ्तर पहुँचते ही मैले-कुचैले कपड़े वाला एक आदमी एक गट्ठर में सूट के कपड़े लेकर बेचने आया। दाम तो कम ही लग रहे थे। मगर जब उसने बड़ी शान से उनके सस्ते दाम का कारण उनका चोरी का होना बताया तो मुझे अच्छा नहीं लगा। मैंने पुलिस बुलाने की बात की तो वह कुछ बड़बड़ाता हुआ तुरंत रफू चक्कर हो गया।

वह आदमी गया ही होगा कि डेढ़ हाथ का घूँघट काढ़े एक औरत एक-डेढ़ बरस के बच्चे को गोद में लिए हुए तेजी से अंदर आने लगी। दरवाजे पर बैठे गफूर ने उसको रोकने की कोशिश की तो वह रोने लगी। मैंने बाहर आकर पूछा तो उसने बताया कि उसे बरेली जाना है और उसके पास बिलकुल भी पैसे नहीं हैं। जब मैंने पूछा कि वह दिल्ली कैसे पहुँची और बच्चे का बाप कहाँ है तो वह फिर से फूट-फूट कर रोने लगी। सुबह की पहली चाय लाते हुए कैंटीन वाले बहादुर ने जब एक कप उसकी ओर बढ़ाया तो उसने झपटकर ले लिया और जोर की आवाज के साथ जल्दी-जल्दी चाय सुड़कनी शुरू कर दी।

शायद उसे भूखा समझकर बहादुर एक प्याली में कुछ रस्क ले आया जो उसने चाय में भिगो-भिगोकर स्वाद लेकर खाए। बच्चा आराम से गोद में सोता रहा। मैं उस औरत की सहायता करना चाहता था मगर पहले इतनी बार ठगा जा चुका था कि अब मैं किसी अनजान को नकद पैसे हाथ में नहीं देता हूँ। मैंने गफूर को अलग ले जाकर उसे दो सौ रुपये देकर उस औरत के साथ बस अड्डे जाकर टिकट खरीदकर बरेली की बस में बिठाने को कहा। फिर बाहर आकर उस औरत को राहखर्च के लिए पचास रुपये अलग से देकर सब समझा दिया। मुझे नेहरू प्लेस ब्रांच-विजिट के लिए देर हो रही थी इसलिए मैं उस औरत की जिम्मेदारी गफूर पर छोड़कर जल्दी से बाहर निकल गया।

नेहरू प्लेस में सब काम ठीक से निबट गया। ब्रांच में अपने कुछ पुराने दोस्तों से मिला और खाना उनके साथ ही खाया। वापसी के लिए ऑटोरिक्शा लेकर उसमें बैठा। अगले चौराहे तक पहुँचा ही था कि ट्रैफिक की बत्ती लाल हो गई। तभी बंजारन सी दिखने वाली दो भिखारिनें मेरे पास आई। मैं सोचने लगा कि जब तक हमारी राजधानी की सड़कें आवारा गायों और भिखारियों से पटी रहेंगी तब तक न तो इन सड़कों पर वाहन चल पाएँगे और न ही खाते-पीते लोग गरीबों को इनसान समझ सकेंगे। मुझे कभी समझ नहीं आया कि यह भिखारी लोग सैकड़ों लोगों की भीड़ में से एक नरमदिल इनसान को कैसे पहचान लेते हैं। इस बार मैंने भी दिल कड़ा कर लिया था। उनके पास आते ही मैंने उनकी ओर देखे बिना बेरुखी से कहा, माफ करो, छुट्टा नहीं है मेरे पास।

मदद कर दो बाबूजी, उसे बच्चा होने को है, लेडी हार्डिंग अस्पताल ले जाना है, वरना मर जाएगी।

कहते-कहते उसने सड़क के किनारे बैठी हुई एक अल्प-वसना युवती की ओर इशारा किया जिसके खुले पेट को देखते ही उसकी गर्भावस्था का पता लग रहा था। सड़क किनारे अधलेटी वह युवती ऐसे कराह रही थी मानो अत्यधिक पीड़ा में हो। उसे देखते ही मेरे मन में अपने सहकर्मी कुणाल का स्वर गूँजा, तुझे तो कोई भी कभी भी बेवकूफ बना सकता है।

अब मैंने उसे गौर से देखा। जुगुप्सा हुई। आँख में कीचड़ और नाक में गेजुए। चेहरे पर मैल न जाने कब से ऐसे घर बनाकर बैठा था कि झुर्रियों के बीच की सिलवटें उस धूल, मिट्टी और कीचड़ से सिली हुई मालूम होती थी। सर पर उलझ बेतरतीब बाल। एक नजर देखने पर बहुत बूढ़ा सा लगा मगर सर के बाल बिलकुल काले थे। ध्यान से देखने पर लगा कि शायद मेरा सम-वयस्क ही रहा होगा। मैं उसे ज्यादा देर तक देख न सका। उसके आने की वजह पूछी।

मेरे दिमाग ने तेजी से काम करना शुरू किया और मैंने अपने ऑटो-रिक्शा ड्राइवर से इसरार किया कि अगर वह इन स्त्रियों को लेडी हार्डिंग अस्पताल तक ले जाए तो मैं उसे उनका किराया अग्रिम देकर यहाँ उतर जाऊँगा। उसके हामी भरने पर मैंने अंदाजे से लेडी हार्डिंग तक का किराया बटुए में से निकाला और उन औरतों से कहा कि मैं यहाँ उतर रहा हूँ और वे किराए की फिक्र मुझ पर छोड़कर इस ऑटो-रिक्शा में अस्पताल तक चली जाएँ।

उनमें से एक औरत ने कहा, इसमें बहुत धक्के लगते हैं, वो झेल नहीं सकती है। हमें टैक्सी करनी पड़ेगी। 300 रुपये लगते हैं। बत्ती हरी हो गई थी। साथ का यातायात चलने लगा था और पीछे वाले वाहनों ने भी शोर मचाना शुरू कर दिया था। उन्हें टैक्सी का किराया भी पहले से मालूम है, इस बात से मेरा माथा ठनका। शायद उन्होंने मेरी झिझक का अंदाज लगा लिया था इसलिए जब तक मैं कुछ समझ पाता वे मेरे हाथ से रुपये लेकर सड़क के पार अपनी कराहती हुई साथन की ओर चली गई। मैं रास्ते भर इस विचार में उलझा रहा कि क्या उन्हें सचमुच अस्पताल जाना था या फिर यह भी ठगी की ही एक चाल थी। कनॉट प्लेस के पास से गुजरते समय मैंने उसी तरह की दो अन्य स्त्रियों को एक मोटरसाइकिल वाले से रुपये लेते हुए देखा। नेहरू प्लेस की तरह ही यहाँ भी पास की पटरी पर एक लंबोदरा कराह रही थी। अब मुझे अपने ठगे जाने पर कोई शुबहा नहीं रहा था।

आधे घंटे में मैं दफ्तर पहुँच गया। चाय का कप रखते हुए बहादुर ने खाने के लिए पूछा तो मैंने बताया कि मैं ब्रांच में खाकर आया हूँ। कुछ ही देर में गफूर भी वापस आ गया। दस रुपये मेरी मेज पर रखता हुआ बोला, ये बचे हैं सर।

मेरे अंदाजे से गफूर को कुछ और पैसे वापस करने चाहिए थे। मैंने प्रश्नवाचक नजरों से उसे देखा तो बोला, सर, उसे बरेली नहीं रायबरेली जाना था। टिकट, और मेरा आना-जाना मिलाकर बस यही बचा है।

यह भी तुम्ही रख लो, काम आएगा

गफूर खुशी-खुशी दस का नोट लेकर बाहर चला गया। उसे वापस आने में जितना समय लगा था उससे साफ था कि उसने आते-जाते दोनों बार बस ही ली है। रायबरेली का फास्ट बस का किराया जोड़ने पर भी उसके पास मेरे दिए पैसे में से कम से कम पचास रुपये बचने चाहिए थे।

मैं सोचने लगा कि क्या दूसरों को बेवकूफ बनाकर पैसे ऐंठना इनसान का स्वाभाविक गुण है। क्या यह माँगने वाले और इन्हें बेरुखी से झिड़कने वाले सब लोग सामान्य हैं और मैं ही असामान्य हूँ। मुझे याद आया जब बचपन में एक बार मैंने पिताजी से पूछा था, पापा, सनकी कौन होते हैं?

सनकी? पिताजी ने हँसते हुए कहा था, मतलब हम जैसे लोग।

फिर समझाते हुए बोले थे, जो भीड़ से अलग हटकर सोचते हैं, उन्हें दुनिया सनकी कहती है।

आज के अनुभव से मुझे एक बार फिर ऐसा लगा जैसे देश भर में हर तरफ या तो भिखारी हैं या लुटेरे हैं। मुझे ध्यान आया कि आधुनिक भिक्षुकों को भीख माँगने के लिए मैले कपड़े पहनने की जरूरत भी नहीं है।

एक दिन साफ-सुथरे कपड़ों में सजे सँवरे बालों वाला एक पढ़ा-लिखा अधेड़ गफूर के रोकते-रोकते अंदर आ गया। अपनी जेब कटने का दुखड़ा रोते हुए उसने बताया कि वह सोनीपत में बिजलीघर में काम करता है। सरकारी काम से यहाँ आया था। वापस जा रहा था रास्ते में जेब कट गई। परिचय पत्र, रेल का पास, और सारे पैसे चले गए। मैंने बहादुर से कहकर उसे खाना खिलाया और वापसी लायक पैसे देकर रवाना किया। जाने से पहले उसने अँग्रेजी में शुक्रिया अदा करते हुए मेरा नाम पता एक पर्ची पर लिख लिया और बहुत शर्मिंदा स्वर में घर पहुँचते ही पैसे मनी आर्डर से भेजने का वायदा किया। चार हफ्ते गुजर गए हैं कोई मनी आर्डर नहीं आया। पैसे न मिलने से मुझे फर्क नहीं पड़ता मगर बेवकूफ बनने का मलाल तो होता ही है। तो क्या मैं अनजान लोगों की सहायता करना बंद कर दूँ? नहीं! क्या पता कब किसी को सचमुच ही

जरूरत हो? अगर सनकी लोग भी स्वार्थी हो जाएँगे तो फिर तो दुनिया का काम ही रुक जाएगा।साढ़े चार के करीब माहेश्वरी सिगरेट पीने बाहर आया तो मुझे भी बाहर बुला लिया। लगभग उसी समय फटी बनियान और जाँघिए में वह अधबूढ़ा आदमी हाथ फैलाए अंदर आया था।

कुछ पैसे मिल जाते साहब... उसने रिरियाते हुए कहा।

बहादुर! इसे कुछ खाने को दे दो।

मेरी आवाज सुनते ही बहादुर आ गया। आगंतुक अपनी जगह से हिला भी नहीं।

मेरा पेट तो न कभी भरा है साहब, न ही भरेगा उसका दार्शनिक अंदाज अप्रत्याशित था।

तो चाय पिएगा क्या? पैसे नहीं मिलने वाले यहाँ मैंने रुखाई से कहा।

आजकल तो चा की प्याली का मोल भी एक गरीब की जिंदगी से ज्यादा है साहब!

अब मैंने उसे गौर से देखा। जुगुप्सा हुई। आँख में कीचड़ और नाक में गेजुए। चेहरे पर मैल न जाने कब से ऐसे घर बनाकर बैठा था कि झुर्रियों के बीच की सिलवटें उस धूल, मिट्टी और कीचड़ से सिली हुई मालूम होती थी। सर पर उलझ बेतरतीब बाल। एक नजर देखने पर बहुत बूढ़ा सा लगा मगर सर के बाल बिलकुल काले थे। ध्यान से देखने पर लगा कि शायद मेरा सम-वयस्क ही रहा होगा। मैं उसे ज्यादा देर तक देख न सका। उसके आने की वजह पूछी।

खिल्लू दंभार मर गया साहब! उसने मरघट सी सहजता से कहा, बहुत दिन से बीमार था। कफन के लिए पैसे माँग रहा हूँ।

उसने खिल्लू दंभार के बारे में ऐसे बताया मानो सारी दुनिया उसे जानती हो। मुझे मृतक के बारे में जानने की उत्सुकता हुई। मैंने पूछना चाहा कि मृतक का उससे क्या रिश्ता था, वह कहाँ रहता था, उसके परिवार में कौन-कौन था। मगर फिर मन में आया कि यदि यह आदमी भी सिर्फ पैसे ऐंठने आया होगा तो कुछ न कुछ सच-झूठ बोल ही देगा। मैंने बटुआ खोलकर देखा तो उसमें पूरे एक सौ पैंतालीस रुपये बचे थे।

मैंने तीस रुपये सामने मेज पर रख दिए। मेरी देखा-देखी माहेश्वरी ने भी दस का एक नोट सामने रखा। उस अधबूढ़े ने नोट उठाकर अपनी अंटी में खोंस लिए और लँगड़ाता सा बाहर निकल गया। कुणाल जो अब तक अंदर अपने क्यूब में बैठा सारा दृश्य देख रहा था, बाहर आया और हँसता हुआ बोला, दानवीर कर्ण की जय हो।

बंदे की दो दिन की दारू का इंतजाम हो गया फ्री-फंड में।

बात हँसी में टल गई। हम लोग फिर से काम में लग गए।

आज काम भी बहुत था। काम पूरा हुआ तो घड़ी देखी। साढ़े छह बज गए थे। दस मिनट भी और रुकने का मतलब था, आखिरी बस छूट जाना। जल्दी से अपना थैला उठाया और बाहर निकला। लगभग दौड़ता हुआ सा बस स्टॉप की तरफ चलने लगा। यह क्या? यह लोग सड़क किनारे क्या कर रहे हैं? शायद कोई दुर्घटना हुई है। यह तो सफेद कपड़े में ढँकी कोई लाश लग रही है। अरे, लाश के पास तो वही अधबूढ़ा बैठा है। और उसके साथ ये दो लोग?

गर्मी के दिन थे इसलिए अभी तक कुछ रोशनी थी। मैं थोड़ा पास पहुँच तो देखा वह अधबूढ़ा धीरे-धीरे एक जर्जर लाश को झकाझक सफेद कपड़े से ढकने की कोशिश कर रहा था। दस-बारह साल के दो लड़के उसकी सहायता कर रहे थे। इसका मतलब है कि अधबूढ़ा सच बोल रहा था। मुझे उसके प्रति अपने व्यवहार पर शर्म आई। मैंने घड़ी देखी। बस आने में अभी थोड़ा समय था। मैंने बटुए में से सौ रुपये का नोट निकाला और लपककर अधबूढ़े के पास पहुँचा।

तो यह है खिल्लू दंभार मैंने नोट उसकी ओर बढ़ाते हुए कहा, ये कुछ और पैसे रख लो काम आएगे।

नहीं साहब, पैसे तो पूरे हो गए हैं। मैं और मेरे लड़के मिलाकर तीन लोग हैं... उसने अपना काम करते-करते विरक्त भाव से कहा।

...साहब! उसने बहुत दीन स्वर में कहा, ...बस एक इनसान और मिल जाता तो चारों कंधे देकर इसे घाट तक लगा आते।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शून्योत्सव

शून्य उत्सव है। वस्तुतः महोत्सव है। शून्य में आशंका देखते हो, सो आतंकित होते हो। शून्य में संभावना देखोगे तो प्रफुल्लित होगे। शून्य एक पड़ाव है आत्मनिरीक्षण के लिए। शून्य अंतिम नहीं है। वैसे प्रकृति में कुछ भी अंतिम नहीं होता। जीवन, पृथ्वी सब चक्राकार हैं। प्रकृति भी वृत्ताकार है। हर बिंदु, परिधि की इकाई है और हर बिंदु में नई परिधि के प्रसव की क्षमता है। प्रसव की यह क्षमता हर बिंदु के केंद्र बन सकने की संभावना है।

यों गणित में भी शून्य अंतिम नहीं होता। वह संख्याशास्त्र का संतुलन है। शून्य से पहले माइनस है। शून्य के बाद प्लस है। माइनस में भी उतना ही अनंत विद्यमान है, जितना प्लस में। शून्य पर जल हिम हो जाता है। हिम होने का अर्थ है, अपनी सारी ऊर्जा को संचित करके सुरक्षित रखना ताकि काल, पात्र, परिस्थिति के अनुरूप दिशा की आवश्यकतानुसार प्रवहमान हुआ था सके। शून्य से दाईं ओर चलने पर हिम का विगलन होकर जल हो जाता है। पारा बढ़ता जाता है। सौ डिग्री पार होते- होते पानी खौलने लगता है। बाईं ओर की यात्रा में पारा जमने लगता है। एक हद तक के बाद हिमखंड या ग्लेशियर बनने लगते हैं। हमें दोनों चाहिएँ-खौलता पानी और ग्लेशियर। इसके लिए शून्य होना अनिवार्य है।

शून्य में गहन तृष्णा है, साथ ही गहरी तृप्ति है। शून्य में विलाप सुननेवाले नादान हैं। शून्य परमानंद का आलाप है। इसे सुनने के लिए कानों को ट्यून करना होगा। अपने विराट शून्य को निहारने और उसकी विराटता में अंकुरित होती सृष्टि देख सकने की दृष्टि विकसित करनी होगी।

स्मृति में अपनी एक रचना कौंध रही है-

शून्य अवगाहित / करती सृष्टि,
शून्य उकेरने की / टिटिहरी कृति,
शून्य के सम्मुख / हाँफती सीमाएँ,
अगाध शून्य की / अशेष गाथाएँ,
साधो...!
अथाह की / कुछ थाह मिली
या फिर शून्य ही / हाथ लगा?

शून्य के परमानंद को अनुभव करने के लिए शून्य में जाएँ। अपने अपने शून्य का रसपान करें। शून्य में शून्य उँड़ेलें, शून्य से शून्य उलीचें।...इति।

बोध कथा

लहरें गिनना

एक बार की बात है, बादशाह अकबर के दरबार में उनसे नौकरी मांगने की फरियाद लेकर एक व्यक्ति पहुंचा। उसकी कुछ देर बातें सुनने और बुद्धि की परीक्षा लेने के बाद बादशाह ने उसे चुंगी यानी टैक्स वसूलने वाला अधिकारी बना दिया। बीरबल भी उस दरबार में मौजूद थे। उन्होंने उसे कुछ देर ध्यान से देखने के बाद कहा कि बादशाह यह व्यक्ति ज्यादा ही चालाक लग रहा है। यह जल्द ही कुछ-न-कुछ बेईमानी जरूर करेगा। होते-होते कुछ समय गुजरा और तबतक उस व्यक्ति ने टैक्स वसूलने का काम पूरी तरह संभाल लिया था। एक दिन बादशाह अकबर के पास एक-दो व्यक्ति उस अधिकारी की शिकायत लेकर आए। शिकायतें मामूली थीं, इसलिए उनपर ज्यादा किसी ने ध्यान नहीं दिया। उसके बाद रिश्वत लेने और जनता को परेशान करने के आरोप भी उस अधिकारी पर लगने लगे। इतनी शिकायतें आने पर बादशाह ने सोचा कि इसका तबादला ऐसी जगह कर देता हूं, जहां इसे बेईमानी करने का मौका ही न मिल पाए।

इतना सोचते ही बादशाह ने फैसला किया कि उसे अस्तबल का मुंशी बनाया जाएगा। फिर अकबर ने मन में कहा कि अब घोड़ों की लीद उठवाने के काम में ये क्या ही बेईमानी कर पाएगा। वहां मुंशी के पद पर पहुंचते ही उस व्यक्ति ने फिर रिश्वत लेना शुरू कर दिया। उसने सीधे घोड़े की देखभाल करने वालों से कह दिया कि तुम लोग घोड़ों को कम दाना-पानी खिलाते हो। इसका पता बादशाह को चला है, इसलिए मुझे लीद को तोलने के लिए भेजा है। अब अगर लीद का वजन कम हुआ, तो सबकी शिकायत बादशाह से कर दूंगा। इस तरह से उस मुंशी से परेशान होकर हर घोड़े के हिसाब से उसे एक रुपये लोगों ने देना शुरू कर दिया।

यह बात भी कुछ समय बाद अकबर तक पहुंच गई। उन्होंने मुंशी को सीधे यमुना की लहरें गिनने का कार्य सौंप दिया। फिर बादशाह के मन में हुआ कि अब यहां तो यह कोई बेईमानी कर ही नहीं पाएगा।

कुछ ही दिनों में जैसे ही वो व्यक्ति यमुना किनारे पहुंचा, तो वहां भी उसने अपना दिमाग दौड़ा लिया। वो नाव से सवारी करने वालों को रोक-रोककर कहता कि मैं लहरें गिन रहा हूं। ऐसे में तुम लोग यहां से नहीं निकल सकते हो। इसी जगह पर दो-तीन दिन तक रुकना होगा। रोज-रोज ऐसी बातें सुनकर नाव चलाने वालों ने अपने कार्य को जारी रखने के लिए उसे दस-दस रुपये की रिश्वत देना शुरू कर दिया। अब यमुना किनारे भी वो व्यक्ति खूब बेईमानी कर रहा था। एक-दो महीने में यह बात भी बादशाह तक पहुंच गई। तभी अकबर ने एक लिखा हुआ आदेश भिजवाया, नाव को रोको मत, जाने दो।

वो व्यक्ति चतुर था उसने बादशाह के आदेश वाले पत्र को नावों को रोको, मत जाने दो कर दिया था। इस थोड़ी हेरफेर के बाद उसने अकबर का आदेश वहां टंगवा दिया। आखिर में उससे परेशान होकर बादशाह ने उसे नौकरी से ही निकाल दिया। तभी बादशाह को बीरबल की बात याद आ गई कि ये आदमी बेईमानी जरूर करेगा। तब उनके मन में हुआ कि मुझे उसे पहली गलती में ही कठोर दंड देना चाहिए था।

कहानी से सीख :

दुष्ट अपनी दुष्टता और बेईमान अपनी बेईमानी कहीं भी जाने पर नहीं छोड़ता है।

वीर गाथा

कैप्टन हरि राजकुमारः हमेशा आगे बढ़कर लेते जिम्मेदारी, जान की बाजी लगाकर करते नेतृत्व

कैप्टन हरि राजकुमार भारतीय सेना की ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट के बहादुर सैनिक थे, जिन्होंने भारत मां के लिए बलिदान दिया था। उन्होंने सेना के कठोर प्रशिक्षण के बाद अनेक चुनौतीपूर्ण अभियानों में भाग लिया। कैप्टन हरि हमेशा आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते और जान की बाजी लगाकर नेतृत्व करते थे। उन्होंने साल 2000 में, असम में एक उग्रवाद विरोधी अभियान के दौरान बहुत बहादुरी का प्रदर्शन किया था। इसके लिए उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया था। उसके बाद उन्हें जम्मू-कश्मीर में 12 आरआर बटालियन में भेज दिया गया। साल 2001 में कैप्टन हरि अपनी यूनिट के साथ जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में तैनात थे। चूंकि इस इलाके में आतंकवादियों की घुसपैठ की घटनाएं हो रही थीं। किसी भी समय हमला हो सकता था, इसलिए यूनिट को बहुत चौकस रहना पड़ता था।

यूनिट के जवान हर समय कड़ी निगरानी रखते थे और नियमित अंतराल पर गश्त करते थे। गश्ती रास्तों पर बारूदी सुरंगें भी एक बड़ा खतरा थीं। इसके मद्देनजर बम निरोधक दस्ते को बुलाया जाता था।12 मार्च को कैप्टन हरि अपने साथी जवानों संग बनिहाल क्षेत्र में गश्त का नेतृत्व कर रहे थे। इस दौरान वे एक चुनौतीपूर्ण इलाके से गुजर रहे थे। जब वे बनिहाल के पास फागू गांव पहुंचे तो शाम लगभग चार बजे जोरदार धमाका हुआ। यह धमाका आतंकवादियों द्वारा आईईडी से किया गया था। इससे कैप्टन हरि गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद वे वीरगति को प्राप्त हो गए। कैप्टन हरि राजकुमार जिस आदर्श के लिए जिए, उसी के लिए बलिदान हो गए। उनका साहस, नेतृत्व और बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जो 60 साल में नहीं हुआ, मोदी ने आठ साल में कर दिया : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ साल में जो कर दिखाया है वह उसने पहले 60 साल में नहीं हो सका। वह चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग और केन्द्र की विभिन्न योजनाओं के संदर्भ में बोल रहे थे।

ठाकुर ने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक देश को तुष्टीकरण और वंशवाद की राजनीति ने घेर रखा था लेकिन प्रधानमंत्री ने तुष्टिकरण और वंशवाद से बाहर निकालकर देश को विकासवाद से जोड़ा है। केन्द्रीय सूचना और प्रसारण, खेल एवं युवा मामले के मंत्री ठाकुर ने और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को भोपाल में प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल के जून 2020 से मई 2021 और जून 2021 से मई 2022 तक की अवधि में उनके द्वारा दिए गए भाषणों और संबोधनों में से संकलित कर दो खंडों में रचित पुस्तकों 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' लोकार्पण किया। इन पुस्तकों का प्रकाशन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग द्वारा किया गया है।ठाकुर ने कहा, हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष यान उतारने वाले दुनिया के पहले देश हैं। यह हमारे लिए गौरव का पल है। जो 60 साल में नहीं हुआ वह मोदी जी ने सिर्फ आठ साल में कर दिखाया। उन्होंने कहा, पिछले 75 साल में देश की लंबी यात्रा को देखें तो तुष्टीकरण और वंशवाद की राजनीति ने घेर रखा था, लेकिन तुष्टीकरण और वंशवाद से बाहर निकालकर देश को विकासवाद की ओर किसी ने जोड़ा है तो प्रधानमंत्री मोदी ने। उन्होंने कहा कि

चार करोड़ गरीबों को पक्के मकान बनाकर दे दिए और 12 करोड़ बहनों और परिवारों को शौचालय बनाकर दे दिए। हर गांव तक बिजली पहुंचा दी है।

मंत्री ने कहा, 80 करोड़ गरीबों को कोविड महामारी के दौरान ढाई साल तक डबल राशन मिला। 12 करोड़ घरों को नल से जल देने का काम मात्र तीन साल में कर दिया। उन्होंने कहा, पिछले नौ साल में आयुष्मान भारत योजना के तहत 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपए का मुफ्त इलाज देने का काम मोदी जी ने किया है। उन्होंने यूपीआई और भीम ऐप जैसे ऐप का जिक्र करते हुए कहा कि डिजिटल भुगतान की दुनिया में अब सर्वाधिक लेन-देन 46 प्रतिशत भारत में होते हैं। उन्होंने कहा कि पहले की तुलना में 45 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं और अब हितग्राहियों को राशि सीधे बैंक खातों में पहुंचती है।

युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए ठाकुर ने कहा, भारत का युवा अब रोजगार देने वाला बन गया है। दुनिया की तुलना में सर्वाधिक एक लाख से अधिक स्टार्टअप भारत में हैं। इनमें से 107 यूनिकार्न बन गए हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे सस्ता डेटा अब भारत में मिलने के साथ ही देश ने अपनी 5जी तकनीक बना ली है और भविष्य में 6जी तकनीक बनाने वाला है। उन्होंने कहा कि अमृत काल में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। केन्द्रीय मंत्री ठाकुर ने मध्य प्रदेश द्वारा की गई प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि पहले इसे 'बीमारू' राज्य कहा जाता था, लेकिन (भाजपा) सरकार के गठन के बाद, यह देश के अग्रणी और प्रगतिशील राज्यों में से एक बन गया है। उन्होंने कहा, हमने अपनी मातृभाषा में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत प्रगति की है और केवल मध्य प्रदेश में ही मेडिकल की पढ़ाई का पाठ्यक्रम हिंदी में तैयार किया गया है।

कुछ अनूठी विशेषताओं के कारण कुत्ते अन्य जानवरों से अलग होते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। कुत्ते बहुत से लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ऐसी क्या विशेषताएं हैं, जो उन्हें अन्य जानवरों से अलग करती हैं। कुत्तों में अपनापन, वफादारी और हमें बिना शर्त प्यार करने के अलावा कई विशेषताएं होती हैं। कुत्तों पर शोध करने वाले के रूप में, पशु व्यवहार सलाहकार और 'कैनोफाइल' (जिसका अर्थ है कि मुझे कुत्तों से प्यार है) के रूप में, मैं उन पांच गुणों को साझा करना चाहता हूं, जो मुझे लगता है कि कुत्तों को इतना खास बनाते हैं। हम सभी उन 'गोल्डन रिट्रीवर'-प्रकार के कुत्तों को जानते हैं, जो किसी भी नए सामाजिक प्राणी से मिलकर बहुत प्रसन्न होते हैं। उनके मित्रवत व्यवहार से प्रभावित न होना कठिन है। इन प्यारे, बहुत सामाजिक प्राणियों में अन्य कुत्तों की तुलना में कुछ प्रमुख आनुवंशिक अंतर होते हैं।

सभी कुत्ते सामाजिक श्रेणी में नहीं आते हैं। भेड़ियों जैसे अन्य जानवरों के विपरीत, घरेलू कुत्ते विभिन्न प्रजातियों के साथ-साथ अपनी प्रजाति के व्यक्तियों के साथ काफी खुशी से रह सकते हैं। यही कारण है कि कुत्तों को हमारे जीवन में शामिल करना इतना आसान हो जाता है। मनुष्य ने कई पीढ़ियों से चुनिंदा कुत्तों को पाला है और कई मामलों में, हमने उन्हें विभिन्न प्रकार की नौकरियों में हमारी मदद करने के लिए तैयार किया है। कुत्ते मनुष्यों के प्रति विनम्र होते हैं और हमारे निर्देशों का पालन करते हैं, जबकि भेड़िये अधिक साहसी होते हैं और मनुष्यों के साथ सहयोग करते समय नेतृत्व करने की अधिक संभावना रखते हैं।

कुछ समय तक यह भी माना जाता था कि कुत्ते विशेष रूप से मानवीय इशारों के प्रति चौकस होते हैं - लेकिन हाल के शोध से पता चलता है कि कई घरेलू प्रजातियां और कुछ जंगली जानवरों की प्रजातियां भी इशारों का अनुसरण कर सकती हैं। कोई भी अन्य प्रजाति घरेलू कुत्तों के समान आकार की इतनी विशाल विविधता में शामिल नहीं है। यहां तक कि बिल्लियां या घोड़े भी ऐसी विविधता प्रदर्शित नहीं करते हैं। हमारे लिए, इसका मतलब है कि हमें इस बात की सराहना करनी चाहिए कि कुत्तों का आकार और आकृति उनके व्यवहार और अनुभवों को कैसे प्रभावित कर सकती है। उदाहरण के लिए, लंबी नाक वाले कुत्तों की नजर तेज होती है, जबकि कम कद वाले कुत्ते अधिक ऊर्जावान होते हैं।

बातचीत

श्रीनगर में शनिवार को प्रमुख पुजारी महंत दीपेंद्र गिरि अमरेश्वर मंदिर में अमरनाथ की पवित्र गुफा के लिए रवाना होने से पहले भगवान शिव की पवित्र गदा 'छड़ी मुबारक' की पूजा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए।

रामास्वामी ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने का संकेत दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/लंदन/भाषा। अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी से उम्मीदवारी हासिल करने की दौड़ में शामिल भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी ने संकेत दिया है कि यदि वह उम्मीदवारी नहीं प्राप्त कर पाते हैं तो वह उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ सकते हैं। रामास्वामी की यह टिप्पणी बायोटेक उद्यमी से राजनीतिज्ञ बने रामास्वामी (38) के इस बयान के कुछ दिनों बाद आई है कि उन्हें राष्ट्रपति के अलावा किसी अन्य पद में रुचि नहीं है।

रामास्वामी ने कहा कि उनका मानना है कि वह केवल राष्ट्रपति के रूप में ही इस देश को फिर से एकजुट कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि यदि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीसरी बार उम्मीदवारी हासिल करते हैं तो वह उनके साथ उपराष्ट्रपति के रूप में काम कर सकते हैं। ब्रिटेन के 'जीबी न्यूज' ने जब रामास्वामी से पूछा कि क्या वह (77 वर्षीय ट्रंप के) उपराष्ट्रपति बनकर खुश होंगे, तो उन्होंने कहा, देखते है, यदि ऐसा होता है तो निश्चित रूप से मैं ऐसा करने को तैयार रहूंगा। उन्होंने कहा कि वह नए हैं और उनकी उम्र ट्रंप से लगभग आधी है लेकिन वह उन्हें व्हाइट हाउस में अपनी सेवाएं देने के लिए कह सकते हैं।

पिछले साक्षात्कारों में, रामास्वामी ने उपराष्ट्रपति बनने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वह देश को केवल तभी बदल सकते हैं जब वह शीर्ष पद पर काबिज होंगे। उन्होंने शनिवार को 'फॉक्स न्यूज' से कहा, मुझे सरकार में किसी अलग पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। सच कहूं तो, मैं संघीय सरकार में नंबर दो या तीन बनने के बजाय निजी क्षेत्र में बदलाव लाऊंगा। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों की पहली प्राथमिक बहस में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता रेटिंग में बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ऑनलाइन तरीके से धन जुटाने की कवायद में इजाफा दिख रहा है। बहस के बाद सामने आए पहले सर्वेक्षण में कहा गया कि 504 उत्तरदाताओं में से 28 प्रतिशत ने कहा कि रामास्वामी ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उनके बाद 27 प्रतिशत के साथ फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और 13 प्रतिशत के साथ पेंस हैं। भारतीय अमेरिकी हेली को सात प्रतिशत वोट मिले हैं।

शुभारंभ

हैदराबाद में शनिवार को अभिनेत्री आशु रेड्डी, कामाक्षी भास्करला, पूजा अनंत और अन्य लोग एचआईसीसी-नोवोटेल, हाईटेक सिटी में हिललाइफ प्रदर्शनी के भव्य शुभारंभ पर।

ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम करना चाहती है जाह्नवी

मुंबई/वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम करना चाहती हैं। जाह्नवी कपूर से पूछा गया कि उन्हें समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्में ज्यादा पसंद हैं या फिर ब्लॉकबस्टर फिल्में। जाह्नवी ने कहा कि उन्हें ब्लाकस्टर फिल्में करना पसंद है। उन्होंने कहा, मेरे करियर में अब तक वह फिल्म नहीं आई जिसने बॉक्स आफिस पर नंबर बनाए हो। जाह्नवी कपूर ने बताया, मुझे अभिनय के लिए सराहना मिली है, लेकिन नंबर चाहिए। फिल्म धड़क ने बाक्स आफिस पर कमाई की थी लेकिन मैं उसका मजा नहीं ले पाई थी। ब्लाकबस्टर फिल्म मुझे जो पहुंच देगी छोटे शहरों के दर्शकों के बीच वह शायद क्रिटिकली अक्लेम फिल्में नहीं देंगी।

कृति सैनन ने सिद्धिविनायक मंदिर में की पूजा

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने फिल्म मिमी के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स 2023 के विजेताओं का ऐलान हो गया है। आलिया भट्ट को गंगूबाई काठियावाड़ी और कृति सैनन को मिमी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया है।

नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद कृति सैनन बेहद खुश है। इस बीच वह अपने पूरे परिवार के साथ बप्पा के दर्शन करने के लिए सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची। कृति और उनकी छोटी बहन नूपुर ने दर्शन के बाद लोगों के बीच बप्पा का प्रसाद बांटा। उन्होंने वहां मौजूद सभी को अपनी जीत की खुशी में मिठाईयां भी खिलाई और सबको थैंक्स भी कहा। कृति ने अपने माता-पिता और बहन के साथ वहां मौजूद लोगों के साथ सेल्फी भी क्लिक करवाई।

फिल्म 'जाने जान' का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर की आने वाली फिल्म 'जाने जान' का टीजर रिलीज हो गया है। करीना कपूर फिल्म 'जाने जान' से ओटीटी प्लेटफार्म पर डेब्यू कर रही हैं। जाने जान' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें करीना कपूर, विजय वर्मा और जयदीप अहलावत नज़र आ रहे हैं। नेटफ्लिक्स पर आने वाली इस फिल्म का टीजर करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।टीजर में करीना एक अंधेरे कमरे में हाथ में माइक लिए पुराना गाना 'आ जाने जान' गाती हुई नज़र आ रही हैं।टीजर में जयदीव अहलावत एकदम अलग लुक में नज़र आ रहे हैं।विजय वर्मा पुलिस की कार से निकलते दिख रहे हैं. हालांकि उन्होंने वर्दी नहीं पहनी. विजय वर्मा के साथ करीना काफी खुश दिख रही हैं। जाने जान को सुजॉय घोष के निर्देशन में बनाया गया है। इस फिल्म की कहानी एक जापानी उपन्यास 'द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' से ली गई है। 'जाने जान' 21 सितंबर को रिलीज होगी।

बॉलीवुड गीतकार देव कोहली का निधन

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के जानेमाने गीतकार देव कोहली का निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। देव कोहली पिछले कुछ महीनों से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। देव कोहली का जन्म पाकिस्तान के रावलपिंडी में 02 नवंबर 1942 को एक सिख परिवार में हुआ था। भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद उनका परिवार देहरादून आ गया । देव कोहली ने श्री गुरु नानक देव गुरु महाराज कॉलेज से पढ़ाई की।वर्ष 1964 में देव कोहली मुंबई चले आये, जहां उन्होंने फिल्मों में काम की तलाश शुरू कर दी। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1969 में फिल्म गुंडा से की थी । उन्हें पहली सफलता फिल्म लाल पत्थर (1971) में गीत गाता हूँ मैं से मिली। वर्ष 1970 और 1980 के दशक में देव कोहली ने कई फिल्मों के लिए गीत लिखे, लेकिन उन्हें कुछ खास सफलता नहीं मिली। वर्ष 1989 में प्रदर्शित फिल्म मैंने प्यार किया के लिये देव कोहली ने आते जाते हंसते गाते , कबूतर जा जा जा , आजा शाम होने आई , मैंने प्यार किया और काहे तो से सजना जैसे गाने हिट गाने लिखे। देव कोहली ने वर्ष 1993 में प्रदर्शित फिल्म बाजीगर के लिये सुपरहिट गीत ये काली काली आंखें लिखा।देव कोहली ने बाज़ीगर, हम आपके हैं कौन, मैंने प्यार किया, शूट आउट एट लोखंडवाला जैसी फिल्मों में करीब 100 से ज्यादा हिट गाने लिखे थे। उन्होंने आखिरी गाना कंगना रनौत की फिल्म रज्जो के लिये 'मेरे दिल की ट्रेन बुलाती है' लिखा था।

देव कोहली गाना लिखने में इतने माहिर थे कि सिर्फ 2-3 मिनट में ही वो किसी गाने का मुखड़ा लिखकर तैयार कर लेते थे।देव कोहली ने अनु मलिक, राम लक्ष्मण, आनंद राज अनाद, आनंद मिलिंद और जैसे संगीत निर्देशकों के साथ कई हिट फिल्मों में काम किया।

'बातें कुछ अनकही सी' में कैमियो भूमिका में दिखेंगी क्षिति जोग

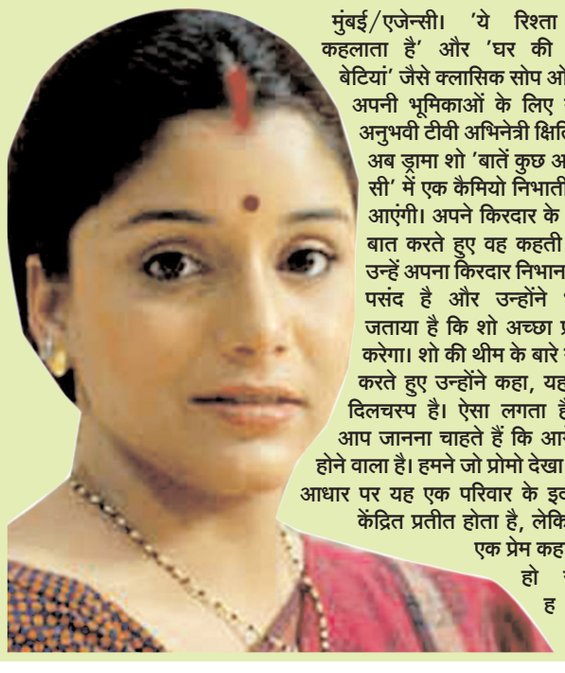

मुंबई/एजेन्सी। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' और 'घर की लक्ष्मी बेटियां' जैसे क्लासिक सोप ओपेरा में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर अनुभवी टीवी अभिनेत्री क्षिति जोग अब ड्रामा शो 'बातें कुछ अनकही सी' में एक कैमियो निभाती नजर आएंगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए वह कहती हैं कि उन्हें अपना किरदार निभाना बहुत पसंद है और उन्होंने भरोसा जताया है कि शो अच्छा प्रदर्शन करेगा। शो की थीम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह बहुत दिलचस्प है। ऐसा लगता है जैसे आप जानना चाहते हैं कि आगे क्या होने वाला है। हमने जो प्रोमो देखा उसके आधार पर यह एक परिवार के इर्द-गिर्द केंद्रित प्रतीत होता है, लेकिन यह एक प्रेम कहानी भी हो सकती है, इसलिए शीर्षक रोमांटिक स्पर्श के साथ काफी दिलचस्प है। अपने कैमियो के बारे में विस्तार से बताते हुए अभिनेत्री ने बताया, मेरी एक विशेष भूमिका है। मैं वंदना (सायली सालुंखे) की मां की भूमिका निभा रही हूं, जो नहीं चाहती थी कि उसके बच्चे उसके पति की तरह संगीत में आगे बढ़ें।''

वह वास्तव में मानती है कि इसमें ज्यादा पैसा नहीं है, यह देखते हुए कि उसके पति ने ज्यादा लोकप्रियता हासिल नहीं की। उसने अपने बच्चों को इस क्षेत्र में प्रवेश करने से हतोत्साहित किया, उसे डर था कि वे अपना समय बर्बाद करेंगे और पर्याप्त पैसा नहीं कमा पाएंगे। वह कुछ हद तक भौतिकवादी है, यही कारण है कि वह इस तथ्य से खुश नहीं है कि उसकी बेटी संगीत में है जबकि उसका बेटा नौकरी करता है। अभिनेत्री अपने चरित्र और अभिनय दोनों के दर्शन में गहराई से उतरती है। वह कहती हैं, इसमें मेरी एक विशेष उपस्थिति है, लेकिन यह सिर्फ इतना ही नहीं है। मैं प्रतिभा की समर्थक हूं और मेरा मानना है कि आज या कल, अगर आपके पास प्रतिभा है, तो उसे पहचाना जाएगा।

हां, पैसा महत्वपूर्ण है, लेकिन प्रतिभा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। प्रतिभा ही आपको सच्ची खुशी और शांति देती है; पैसा आपको विलासिता प्रदान करता है। उनके अनुसार, ''बातें कुछ अनकही सी' नाटक और रोमांस का मिश्रण है, और इसका आधार युवा दर्शकों को पसंद आएगा, जो उनके द्वारा अब तक किए गए शो से अलग है।'' उन्होंने कहा,मैं इसे एक सामान्य पारिवारिक नाटक के रूप में नहीं देखती। पहले दो एपिसोड देखने के बाद ऐसा नहीं लगता कि मैंने पहले कोई ऐसा शो देखा है। यह काफी दिलचस्प है। मेरा मानना है कि पारिवारिक ड्रामा यहां कम है, क्योंकि यह कहीं न कहीं रोमांस कहानी में मौजूद चुनौतियों और संघर्षों को दिखाता है।'' उन्होंने यह भी कहा कि श्रृंखला में युवाओं की अपील है। उन्होंने कहा, एक और उत्कृष्ट पहलू यह है कि यह शो 30-35 आयु वर्ग के लोगों पर केंद्रित है, जिसे शायद ही कभी दर्शाया गया है। क्षिति जोग को बॉलीवुड फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में रॉकी (रणवीर सिंह) की मां पूनम रंधावा के किरदार में देखा गया था और उससे पहले मराठी फिल्म 'पवनखिंड' में देखा गया था।

कंगना ने 'चंद्रमुखी 2' में शानदार परफॉर्म किया है: एमएम कीरावनी

मुंबई/एजेन्सी

एकेडमी अवॉर्ड-विनिंग म्यूजिक कंपोजर एमएम कीरावनी ने कंगना रनौत की तारीफ करते हुए कहा है कि एक्ट्रेस ने अपकमिंग फिल्म 'चंद्रमुखी 2' में शानदार परफॉर्म किया है। कंगना और राघव लॉरेंस स्टारर 'चंद्रमुखी 2' का शुक्रवार को चेन्नई में ग्रैंड ऑडियो लॉन्च हुआ। इस इवेंट में तमिल फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गजों ने भाग लिया। कई अन्य लोगों के बीच, कीरावनी ने फिल्म में एक्ट्रेस की प्रशंसा की। लॉन्च के मौके पर म्यूजिक कंपोजर ने कहा, उन्होंने शानदार परफॉर्मेंस दी है और बड़े पर्दे पर चंद्रमुखी के रूप में कंगना की एक्टिंग देखकर हर कोई दंग रह जाएगा। 'चंद्रमुखी 2' राघव लॉरेंस के साथ पहली बार हॉरर कॉमेडी शैली में कंगना की शुरुआत है। स्टनिंग 6 यार्ड कांजीवरम में शानदार, एक्ट्रेस ने अपने आईजी हैंडल पर म्यूजिक कंपोजर के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, मेरे पसंदीदा और भारत अकादमी के गौरव और कई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ता एमएम कीरावनी के साथ।

यह फिल्म 15 सितंबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंगना 'तेजस' में भी नजर आएंगी, जहां वह एक फाइटर पायलट का किरदार निभाती नजर आएंगी। एक्ट्रेस के पास 'इमरजेंसी' भी है। इसमें कंगना भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 27-08-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

गुरूदेव रूपमुनि जी महाराज जैन समाज ही नहीं, छत्तीस की कौम के संत रत्न थे। सभी उन्हें भगवान कि तरह मानते थे। गुरूदेव के मुख से निकले वचन सदैव सत्य हो जाते थे। श्रमणसंघ की स्थापना में गुरूदेव मरूधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा के साथ रूपमुनि ने प्रधान कर्णधार बनकर जैन समाज की सभी सम्प्रदायों के संतो को एक जुट करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए संगठन को एक सूत्र में बांधकर श्रमण संघ को मजबूत बनाया। संतो और समाज में जब-जब भी संकट आये उन विषम परिस्थितियों मे संकट मोचन बनकर गुरूदेव मिश्रीमल जी म.सा के साथ संतों और समाज के संकटों का संत सम्मेलन मे निपटारा करवाया।

श्रीमद् भागवत कथा की पूर्णाहुति हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वाधान में आयोजित सप्तदिवसीय शिवाभिषेक का शनिवार को अंतिम दिवस में वैदिक मंत्रोउच्चारण के साथ सुबह नौ बजे से प्रारम्भ हुआ। समिति के अध्यक्ष जीवनसिंह मोहता, प्रदीप कुमार माहेश्वरी, सहमंत्री किशोरीलाल जेठा, अजय प्रकाश राठी, विजय माहेश्वरी आदि ने पूरे परिवार के साथ अभिषेक किया। इन सातदिनों मे करीब 600 श्रद्धालुओं ने महादेव के अभिषेक एवम प्रसादी का लाभ उठाया।

दोपहर में श्रीमद भागवत कथा का शुभांरभ किया गया। अध्यक्ष एवं सहमंत्री ने माल्यार्पण कर महाराजश्री का स्वागत किया। मंत्री बंशीलाल दलाल ने कमिटी के सभी सदस्यों को मंचपर आमंत्रण कर महाराजश्री से आशीर्वाद दिलवाया। व्यास पीठ से प्रवचन करते हुए पूज्यश्री धीरेन्द्र शास्त्रीजी ने द्वारकाधीश की लीला एवं सुदामा चरित्र का वर्णन कर कथा की पूर्णाहुति की घोषणा की। मंत्री ने कमिटी के सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी के अथक प्रयास से कथा की पूर्णाहुति तक पहुंच पाए है। कथा प्रसंग के मध्य में प्रभु-नाम संकीर्तन एवं मधुर भजनों के साथ- साथ सभी भक्त को खूब झुमें, अन्त में भागवतजी की भव्य आरती उतारी गई। कोषाध्यक्ष जे नारायण राठी ने पधारे हुए सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का हुआ आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का आगाज अन्ना नगर स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में सुबह अग्रवंशियों के आराध्य देव श्री अग्रसेन महाराजजी की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया

पूरे देश के 18 प्रांतों से आए अग्र बंधुओं ने सम्मेलन में हिस्सा लिया कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अग्रवाल समाज चेन्नई के अध्यक्ष मुरारीलाल सोंथालिया ने अपने स्वागत भाषण से सभी अतिथि गणों का स्वागत किया तत्पश्चात सभा अध्यक्ष इंद्रराज बंसल ने अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के उद्देश्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग एवं तमिलनाडु सरकार में एडीजीपी के पद पर तैनात संदीप मित्तल एनसीईआरटी के वरिष्ठ अधिकारी संदीप जैन तथा हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं हिसार के विधायक कमल गुप्ता को माला व स्मृति चिन्ह के द्वारा सम्मानित किया गया तत्पश्चात अग्रवाल समाज के महासचिव हरीश कुमार लोहिया ने समाज तथा समाज की चारों सहयोगी संस्थाओं के कार्यक्रमों पर विस्तृत प्रकाश डाला तत्पश्चात अतिथियों के द्वारा अग्रवाल समाज की पत्रिका स्मारिका-2023 का विमोचन किया गया एवं सभी अतिथियों को एक-एक प्रति प्रदान की गई

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस सम्मेलन को चेन्नई में आयोजित करने का उद्देश्य अग्रवाल समाज का देश निर्माण में अहम योगदान है हम पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा है तो क्यों ना हम इसका सदुपयोग समाज के हित में करें। अपने समाज के कमजोर तबके के उत्थान के लिए सोचे और हर संभव मदद करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि हम में से कई लोग काफी सक्षम है उन्हें समाज को मुख्यधारा में जोड़ने की जिम्मेदारी अवश्य लेनी चाहिए हमें अपने कर्म, धर्म दोनों की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए एवं अपनी भावी पीढ़ी को अपने कर्म और धर्म से परिचित करवाना चाहिए। हमें अपनी मातृभूमि को ऊपर रखते हुए दोनों का बराबर ख्याल रखना चाहिए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे एडीजीपी संदीप मित्तल ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें अपने जीवन में तीन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए जिनमें प्रमुख रूप से है अपने संस्कारों का संरक्षण, दूसरा दिखावे की प्रवृति से दूर रहना तथा दहेजप्रथा के चलन को रोकना अथवा कम करने का प्रयास अवश्य करना चाहिए। हमें अपने सगे संबंधियों का यथासंभव सहयोग करते रहना चाहिए ताकि समाज के सभी लोगों को इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके और समाज उन्नति की ओर अग्रसर हो सके।

कार्यक्रम में उपस्थित विशेष अतिथि संदीप जैन ने भी समाज में बढ़ती दिखावे की प्रवृत्ति को रोकने की आवश्यकता पर बल दिया तथा नई पीढ़ियों को अपने धर्म एवं कर्म से जोड़ने की आवश्यकता की बात कही। हरियाणा से आए हरियाणा राज्य के कैबिनेट मंत्री कपिल देव गुप्ता ने कहा कि हम अग्रवंशी हैं हमने सदैव देश हित एवं राष्ट्र हित को सर्व प्रथम रखा है इतिहास गवाह है कि अग्र वंशजों ने सदैव समाज के हित के लिए कार्य किया है उन्होंने हरियाणा राज्य में चल रहे विभिन्न कार्यों का विवरण देते हुए बताया कि हरियाणा के अग्रोहा धाम में भगवान अग्रसेन के विशाल मंदिर के साथ ही साथ महाराजा अग्रसेन के नाम पर 10000 एकड़ की जमीन पर विशाल एयरपोर्ट का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही वहां पर अनेकों बड़े अस्पतालों, फैक्ट्रियों आदि की स्थापना की जा रही है। जिससे प्रदेश के आर्थिक विकास एवं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा एवं बेरोजगार अग्रबंधुओ को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। उन्होंने सम्मेलन में प्रवासी अग्र बंधुओं से हरियाणा में निवेश करने का आग्रह किया। दो दिवसीय कार्यक्रम के इस सम्मेलन में अग्रवाल सभा चेन्नई के अध्यक्ष इंद्रराज बंसल, अग्रवाल सम्मेलन के पदाधिकारी सुरेश साघी, महासचिव जगदीश प्रसाद अग्रवाल, श्रीअग्रवाल समाज के तमिलनाडु के अध्यक्ष मुरारीलाल सोंथालिया उपाध्यक्ष एनके सिंघला, अशोक केडिया , गोपाल गोयल ,विनोद अग्रवाल ,श्याम सुंदर अग्रवाल ,सत्य भूषणजैन,ईश्वर प्रसाद अग्रवाल, राम प्रकाश गर्ग सुरेश सांघी, कमलेश गुप्ता, संजीव जैन, कल्पना भालोठिया ,सावरमल खेमका, मधुसूदन खेमका ,मनोहर लाल बगड़िया ,गौरव सिंघल सहित समाज के अनेक पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्य एवं सहायक गण उपस्थित रहे। मंच का संचालन सुनीता खेमका ने किया।

सत्संग में हमारा मन शांत होता है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन जैन संघ में आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने प्रवचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि हरेक इंसान की कोशिश होती है कि उसका अपना घर हो। एक पिता अपने परिवार को बढ़ाता है और अपने परिवार और बच्चों की सुरक्षा के लिए काम करता है। वह जानता है कि उसके परिवार और संपत्ति की सुरक्षा के लिए एक घर का होना बहुत जरूरी है। वहां सिक्योंरिटी के साधन लगवाता है। आज के जमाने में सुरक्षा अलार्म भी लगाए जाते हैं ताकि चोरों को घर में घुसने से रोका जा सके। आचार्य श्री ने आगे समझाते हुआ कहा कि जैसे हम चोरों से अपने घर को सुरक्षित रखना चाहते हैं, ठीक उसी प्रकार अपनी आत्मा की भी सुरक्षा करनी चाहिए। अनजाने में हम चोरों को अपने भीतर घुसने देते हैं और वे हमारे भीतर आकर तबाही मचा देते हैं। ये चोर हैं- काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार। ये चोर जब हमारे अंदर अपना अधिकार जमा लेते हैं, तो हमें गुस्सा आता है, हम झूठ बोलते हैं, हम दूसरों को धोखा देते हैं और अहंकार के कारण हम कई तरह की गड़बड़ियां करते हैं। परिणाम यह होता है कि ये चोर हमें हमारे सच्चे घर से दूर कर देते हैं। हम नकारात्मक विचारों से भर जाते हैं। ये चोर हमारे विचारों पर कब्जा कर लेते हैं। हम सद्गुणों को अपने जीवन में ढालना चाहते हैं, निष्काम सेवा करना चाहते हैं लेकिन ये हमें जरूरतों और इच्छाओं के जाल में फंसाए रखते हैं। हमारे मन की शांति को भंग कर देते हैं। ऐसे में हम अपने आपको असफल, असहाय और निराशाओं से घिरा हुआ पाते हैं। मन की स्थिति को बदलने के लिए आचार्य श्री ने कहा कि हर आदमी के लिए उम्मीद है। बुरे से बुरे के लिए भी उम्मीद है। पश्चाताप करो, प्रार्थना करो और आगे पाप मत करो। इस अनोखे तरीके से चोर और डाकू भी नेक इंसान में बदल जाते हैं। इन चोरों के चुंगल से बचने का एक और तरीका है, किसी संत-महापुरुष का सत्संग। सत्संग में हमारा मन शांत होता है।

समय रहते हुए जीवन को साध लेना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। खरतरगच्छ के गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री स्थविर मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी, मुनिश्री मतिषप्रभ सागरजी म. सा. कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के भवन में चातुर्मासार्थ विराजित है। शनिवार को अपने प्रवचन में श्री मनिषप्रभ सागर जी ने कहा कि अपने जीवन को किस तरह से जिए ताकि उसका भविष्य उज्ज्वल बने। जन्म के साथ ही मृत्यु का साथ भी जुड़ जाता है। पुराने समय में व्यक्ति, लोग की चिंता करते थे। बुढ़ापा आते ही व्यक्ति समझ जाता था अब जाने का समय आ गया है, इसलिए सब उनकी यात्रा निकाले उससे पहले शिव की यात्रा कर लेनी चाहिए। मृत्यु बाय उससे पहले मोक्ष की यात्रा करने ही चाहिए। सफेद बाल एक तरह का वारंट है कभी भी मौत अरेस्ट कर सकती है। इसलिए अब हमें संसार से पाप से गति धीमी कर देनी चाहिए क्योंकि सफेद बाल यानी फसल पक चुकी है। कभी भी कट सकती है कटेगी, फिर पीसेगी भट्ठियों में उगलेगी। जो व्यक्ति धर्म की कल पकड़ लेता है परमात्मा की खेल पकड़ लेता है वह व्यक्ति सबूत बच जाता है। हमें धर्म की शरण पकड़नी चाहिए। मां को आत्मा से जोड़ने का प्रसाद करना चाहिए।

धर्म सभा में सबका स्वागत संघ अध्यक्ष सुरेंद्र गोलेछा ने किया, संचालन सचिव श्याम सुंदर लूनिया ने किया और धन्यवाद ज्ञापन युवक परिषद अध्यक्ष प्रकाश बोथरा ने दिया। आज यहां पर तिरूपत्तूर से धार्मिक यात्रा संघ पहुंचा। यात्री पारस जैन और धर्मेश गोलछा आदि का सम्मान किया गया।

शुक्रवार देर रात को तपस्या की सांझी हुई जिसके लाभार्थी परिवार इंदरचंद महेंद्र गोलेछा परिवार रहा। 9 उपवास करे सुधा गोलेछा, तरुण गोलेछा का सम्मान किया गया।

कच्ची मिट्टी -25 : सृजनात्मक लेखन कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां गत 24 वर्षों से लगातार अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज द्वारा केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहयोग से संचालित कच्ची मिट्टी के 25 वें अंक हेतु सृजनात्मक लेखन कार्यक्रम शनिवार को विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में चेन्नई के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों को आमंत्रित किया जाता है। श्रेष्ठ रचनाओं को पुरस्कृत एवं कच्ची मिट्टी पुस्तक में प्रकाशित किया जाता है। सर्वाधिक रचित रचनाओं वाले विद्यालय को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है ताकि इस कार्यक्रम के साथ हिंदी के प्रचार-प्रसार का लक्ष्य भी साधित हो सके। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश्वर वंदना एवं दीप प्रज्वलन से हुआ।

हिंदी विभागाध्यक्षा श्रीमती अंशु अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं मंच का संचालन किया। विद्यालय के वरिष्ठ उप प्रधानाचार्य रघु देव एवं उपप्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन ने मुख्य अतिथियों के रूप में दिग्दर्शकों को स्नेह भेंट प्रदान कर उनका सम्मान किया। यह कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न हुआ। प्रथम चरण में नई तकनीक को अपनाते हुए प्रोजेक्टर के जरिए विद्यार्थियों को चलचित्र दिखाए गए।

कच्ची मिट्टी के सूत्रधार एवं संपादक डॉक्टर रमेश गुप्त 'नीरद' ने , केंद्रीय हिंदी निदेशालय , शिक्षा मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग शास्त्री भवन चेन्नई के उपनिदेशक डॉक्टर श्रीनिवासन ने, एमओपी महिला महाविद्यालय की हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. सुधा त्रिवेदी ने, डीजी वैष्णव महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक द्विवेदी जी ने एवं आसन मेमोरियल महाविद्यालय जलदमपेट की हिंदी विभाग की डॉ. पद्मावती ने बड़े ही प्रभावशाली ढंग से छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में बच्चों से सृजनात्मक लेखन कार्यक्रम करवाया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 530 बच्चों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम विद्यालय के पत्राचारक नरेंद्र कुमार सिंघला एवं प्रधानाचार्या सी विजयलक्ष्मी जी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बाहुबली के पुत्र ने भरत की अधीनता स्वीकार की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वीश्री चैतन्यश्री जी महाराज ने अपने प्रवचन में बताया कि भरत इस अवसर्पिणी काल के प्रथम चक्रवर्ती थे। उनके 99 छोटे भाई थे। जिनमें बाहुबली उनके छोटे भाई थे, जो अत्यंत बलवान थे। चक्रवर्ती भरत जब 6 खंड जीत कर आए तो बाहुबली ने उनका आधिपत्य स्वीकार करने से मना कर दिया, तब दोनों भाई के बीच द्वंद्व युद्ध हुआ। द्वंद्व युद्ध तीन तरह के होते है दृष्टि युद्ध दोनों को एक दूसरे के आंखों में आंख डालकर देखना जो 12 साल तक चला और अंत मे बाहुबली विजयी हुए और भरत हार गए। दूसरा युद्ध शुरू हुआ भरत चक्रवर्ती इतने बलवान थे कि 32 हजार राजा, 84 लाख हाथी, 84 लाख घोड़े 84 लाख रथ तथा 96 करोड़ सैनिक भी मिलकर उन्हें हिला नहीं सके ऐसे महाबली थे भरत चक्रवर्ती। दूसरा युद्ध वाक् युद्ध हुआ जिसमें भी भरत हार गए। तीसरा युद्ध था मुष्टि युद्ध, बाहुबली ने एक मुष्टि से भरत को आकाश में उछाल दिया और धरती में आधा धंस गए। भरत को अत्यंत क्रोध आया, उन्होंने अपना ब्रह्मास्त्र चक्र को फेंका परंतु चक्र स्वजाती, स्वगोत्रीय को नहीं मारता, उन्हें प्रदक्षिणा करके वापस लौट आया। तीन युद्ध में भरत हारे परंतु फिर भी भरत ने चीटिंग की। और गुस्से में आकर बाहुबली ने अपनी मुष्टि उठाई, शक्रेंद्र महाराज ने समझाया कि तुम अपने बड़े भाई को अगर आज मार दोगे तो आने वाली पीढ़ी को तुम्हारा क्या आदर्श रहेगा और बाहुबली के मन में तीव्र पश्चाताप उठा परंतु उठाया हुआ हाथ खाली नहीं जाएगा। मारने वाले हाथ तारने वाले बन गए। पंचमुष्टि लोच कर दिया। दीक्षा ले ली, देवों द्वारा दीक्षा के वस्त्र दिए गए और उसी युद्ध भूमि में बाहुबली ध्यानस्थ खड़े हुए। भरत चक्रवर्ती बार-बार माफी मांगने लगे परंतु अब 6 खंड के अधिपति के सामने 6 काय के रक्षक खड़े थे। बाहुबली के पुत्र ने भरत की अधीनता स्वीकार की। प्रचार प्रसार समिती के संयोजक गौतमचंद गुगलिया ने बताया कि रविवार को मरुधर केसरी श्री मिश्रीमलजी महाराज की 133 वां तथा लोकमान्य संत शेरे राजस्थान श्री रूपचंदजी महाराज की 96 का जन्म जयंती तप त्याग के साथ मनाया जायेगा। इसमें नवरंगी की तपस्या कर रहे 81 तपस्यार्थियों का स्वागत किया जायेगा।

भक्तों के भगवान थे लोकमान्य संत रूप मुनि : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एस.एस.जैन भवन में शनिवार को लोकमान्य संत शेरे राजस्थान प्रवर्तक रूपमुनि जी महाराज के 98वें जन्मोत्सव पर महासती धर्मप्रभा ने उनके व्यक्तित्व एवं कत्यित्व के गुणों का बखान करते हुए श्रध्दालुओं को बताया कि गुरूदेव रूपमुनि जी महाराज जैन समाज ही नहीं, छत्तीस की कौम के संत रत्न थे। सभी उन्हें भगवान कि तरह मानते थे। गुरूदेव के मुख से निकले वचन सदैव सत्य हो जाते थे।

श्रमणसंघ की स्थापना में गुरूदेव मरूधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा के साथ रूपमुनि ने प्रधान कर्णधार बनकर जैन समाज की सभी सम्प्रदायों के संतों को एक जुट करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए संगठन को एक सूत्र में बांधकर श्रमण संघ को मजबूत बनाया। संतों और समाज मे जब-जब भी संकट आये उन विषम परिस्थितियों मे संकट मोचन बनकर गुरूदेव मिश्रीमल जी म.सा के साथ संतों और समाज के संकटों का संत सम्मेलन मे निपटारा करवाया।

गुरूदेव की प्रेरणा पर राजस्थान ही नहीं सम्पूर्ण देश के अनेको जगह गायों कि रक्षा के लिए गौशालाएं बनवाई गई। जो आज भी वह गौशालाएं सुचारू रूप से सभी जगह चल रही है इन गौशालाओं मे गायों कि सुरक्षा एवं रक्षा गुरूदेव के भक्तों द्वारा कि जा रही है। श्रमण संघ के आचार्य आनंद ऋषि जी एवं अन्य सभी संत भी मरूधर केसरी मिश्रीमल जी एवं रूपमुनि जी महाराज की हर बात को मानते थे। राजस्थान के नाडोल मे गोस्वामी परिवार में जन्म लेकर जैन धर्म को सम्पूर्ण देश में जन-जन फैलाया गुरूदेव के उपकारो कौई नहीं भूला सकता है। संत हो या गृहस्थ या राजनेता जो गुरूदेव के पास घंटों- घंटों तक बैठ और अपनी समस्याएं गुरूदेव को बताते। उन सभी समस्याओं का निदान सहजता और सरलता के साथ गुरूदेव पाकर सभी हंसते हंसते विदा होते थे। छोटा हो या बड़ा जो एकबार गुरूदेव के दर्शनों के लिए आता वह बार - बार उनसे मिलने को आता था। करूणा दया के देवता थे, पूज्य गुरूदेव रूपमुनि जी म.सा. आज ऐसा संत होना मुश्किल ही नहीं ना मुमकिन है।

साध्वी स्नेह प्रभा ने रूपमुनि जी म.सा. के जन्म दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि गुरूदेव रूपचन्द जी म.सा. के पास लाखों दिन दुःखी लोग अपने दुखः और दर्द लेकर आते, और हंसते मुस्कारते हुए गुरूदेव से विदा होते थे। मानवता के मसीहा और करूणा के सागर दया के देवता थे श्री रूपमुनिजी म. सा.।

चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज में 21वां स्नातक दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मिंजूर के चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज में 21वां ग्रेज्युएशन-डे का आयोजन भगवान महावीर ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। ग्रेजुएशन समारोह की शुरुआत अकादमिक जुलूस के साथ हुई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय लागत लेखाकंन संस्थान दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद की अध्यक्ष सीएमए दिव्या अभिषेक उपस्थित थी। एससीपीजेसी के पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल एच.संघवी, उपाध्यक्ष शांतिलाल एस. जैन, अध्यक्ष नेमीचंद कटारिया, सचिव ललित कुमार ओ जैन, सचिव सुरेश राठौड़ और संयुक्त सचिव जीतेंद्र एस.मेहता आदि उपस्थित थे।

कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य डॉ. एन सुजाता ने विभिन्न विभागों के प्रमुखों को पारम्परिक मंगलाचरण के साथ कॉलेज बैंड की संगत में मंच पर बुलाया और राज्य गीत से शुरुआत हुई। सचिव ने स्नातक दिवस की शुरुआत की घोषणा की और सभी का स्वागत किया। कॉलेज के प्रबंधन सदस्यों और प्रिंसिपल ने मुख्य अतिथि को शॉल ओढाकर, माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। सचिव ललित कुमार ओ जैन ने स्नातकों को बधाई दी। उन्होंने कहा, छात्रों की शिक्षा प्रणाली छात्रों को मिलने वाले अंकों पर आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह नवाचार, रोजगार और उद्यमिता पर केंद्रित होनी चाहिए।

प्रभारी प्राचार्या डॉ.एन.सुजाता को मुख्य अतिथि के रूप में पेश किया गया और उन्होंने सभा को वार्षिक रिपोर्ट भी पढ़ी। मुख्य अतिथि सीएमए दिव्या अभिषेक ने स्नातक दिवस के अपने संबोधन में कहा कि उन्हें इस कॉलेज के 21वें स्नातक समारोह का हिस्सा बनकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत प्रबंधन को संबोधित करते हुए की और वह इस बात से अभिभूत थीं कि प्रबंधन छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों को भी दोपहर का भोजन उपलब्ध करा रहा है और उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की।

मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय रैंक धारकों को सम्मानित किया। प्लांट बायोलॉजी और प्लांट बायोटेक्नोलॉजी विभाग से एम. स्नेहा मुरली-तीसरी और स्वेता सिंह-चौथी रैंक को शील्ड के साथ 2500 रुपये नकद पुरस्कार मिला। रसायन शास्त्र विभाग के आर अजित कुमार-सातवीं रैंक को शील्ड प्राप्त हुई। इस समारोह में, वाणिज्य, कॉर्पोरेट सेक्रेटरीशिप, कंप्यूटर विज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान और प्लांट साइंस और बायो टेक्नोलॉजी, बीबीए, सूचना प्रणाली प्रबंधन और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार जैसी विभिन्न शाखाओं के 402 छात्रों ने अपनी डिग्री प्राप्त की।

योग प्राणायाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को कृष्णगिरि के सरकारी गर्ल्स हाई स्कूल में प्रदेश पतंजलि योग समिति के अध्यक्ष पारसमल सीरवी के नेतृत्व में छात्राओं को योग और प्राणायाम सिखाया गया। फोटो में सरकारी स्कूल के छात्र योग करते हुए दिखाई दे रहे है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.